संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
सोमवार
3 नवंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 130
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने समालखा में आयोजित 78वें निरंकारी संत समागम में की शिरकत

पेज-8

मोटी-मोटी बातें

बरवाला को मिला नगर परिषद का दर्जा, सरकार ने जारी की अधिसूचना

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने अधिसूचना जारी कर बरवाला को नगर परिषद का दर्जा दिया है। यह अधिसूचना हरियाणा नगरपालिका अधिनियम, 1973 की धारा 2ए(2) के अंतर्गत जारी की गई है। अधिसूचना के अनुसार हिसार जिला के बरवाला को नगर परिषद के रूप में अधिसूचित किया गया है।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने इस निर्णय को बरवाला की जनता के लंबे समय से चले आ रहे सपने की पूर्ति बताया। उन्होंने कहा कि बरवाला को नगर परिषद का दर्जा दिलाने के लिए वो लगातार प्रयासरत थे। इस संबंध में उन्होंने निकाय विभाग को पत्र भी लिखा था और क्षेत्र की जरूरतों के मद्देनज़र इसकी मांग की थी। आज वह प्रयास सफल हुए हैं।

उन्होंने कहा कि नगर परिषद बनने से बरवाला में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। अब बरवाला में सड़क, सीवरेज, पेयजल, स्ट्रीट लाइट और सफाई जैसी सुविधाओं का विस्तार और बेहतर प्रबंधन पहले से भी तेज और ज्यादा सुनिश्चित होगा।

श्री गंगवा ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और शहरी स्थानीय निकाय विभाग के मंत्री श्री विपुल गोयल का आभार जताते हुए कहा कि यह निर्णय मुख्यमंत्री जी की जनभावनाओं के प्रति संवेदनशीलता और विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बरवाला की जनता को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। बरवाला को नगर परिषद का दर्जा मिलना आने वाले वर्षों में क्षेत्र के समग्र विकास की नींव बनेगा।

विशेष खुफिया सूचना के आधार पर की गई वाहनों की जांच: पंजाब पुलिस ने दिया स्पष्टीकरण

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब पुलिस ने 1 और 2 नवंबर 2025 की दरमियानी रात को विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर राज्य के विभिन्न हिस्सों में सामान ढोने वाले वाहनों, विशेषकर वाणिज्यिक वाहनों की जांच की।

पंजाब पुलिस के प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि राज्य में चयनित स्थानों पर गज़टेड अधिकारियों की निगरानी में वाहनों की जांच की गई, ताकि आम लोगों को किसी असुविधा के बिना सुचारू रूप से जांच प्रक्रिया पूरी की जा सके।

प्रवक्ता ने आगे कहा कि पंजाब एक सीमावर्ती राज्य है, जहां पाकिस्तान की एजेंसी आई.एस.आई. द्वारा ड्रोन के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से नशीले पदार्थों, हथियारों और विस्फोटकों की तस्करी कर उन्हें वाहनों के ज़रिए आगे पहुंचाकर भारत के खिलाफ 'प्रॉक्सी वॉर' छेड़ने की कोशिशें की जा रही हैं। देश-विरोधी ताकतें भारत में अशांति फैलाने के नए-नए तरीके ईजाद कर रही हैं और ऑपरेशन "सिंदूर" के बाद उनकी गतिविधियों में तेजी आई है।

पंजाब पुलिस के प्रवक्ता ने कहा कि राज्य की पुलिस अपने नागरिकों और कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह सजग है और भली-भांति जानती है कि सामान्य सुरक्षा उपाय ऐसे तरीके से किए जाने चाहिए जिससे लोगों को न्यूनतम असुविधा हो। प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, राज्य के कुछ हिस्सों में अख़बार ले जाने वाले वाहनों की जांच के कारण अख़बारों की डिलीवरी में थोड़ी देरी हुई।

पंजाब पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि सुरक्षा जांच के दौरान, विशेषकर वाहनों की जांच के समय, आम लोगों को न्यूनतम असुविधा हो। साथ ही, मौजूदा सुरक्षा परिस्थितियों को देखते हुए, पंजाब में एक सक्रिय और मज़बूत आंतरिक सुरक्षा ग्रिड की आवश्यकता को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

वाशिंगटन की तूफानी पारी... भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया, श्रृंखला 1-1 से बराबर

होबार्ट- अर्शदीप सिंह की उम्दा गेंदबाजी के बाद वाशिंगटन सुंदर की तूफानी पारी से भारत ने तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर पांच मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी। ऑस्ट्रेलिया के 187 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने वाशिंगटन की 23 गेंद में चार छक्कों व तीन चौकों से नाबाद 49 रन की पारी और जितेश शर्मा (13 गेंद में नाबाद 22) के साथ उनकी छठे विकेट की 25 गेंद में 43 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 188 रन बनाकर जीत दर्ज की।

तिलक वर्मा (29), अभिषेक शर्मा (25) और कप्तान सूर्यकुमार यादव (24) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं। वाशिंगटन को इस मैच में गेंदबाजी का मौका नहीं मिला, लेकिन उन्होंने बल्ले से एकादश में अपने चयन को सही साबित किया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एलिस ने 36 रन देकर तीन विकेट चटकाए, लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाए। अर्शदीप (35 रन पर तीन विकेट) और वरुण चक्रवर्ती (33 रन पर दो विकेट) ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 74 रन कर दिया था।

टिम डेविड (74) और मार्कस स्टोइनिस (64) ने ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़कर मेजबान टीम का स्कोर छह विकेट पर 186 रन तक पहुंचाया। डेविड ने 38 गेंद का सामना करते हुए पांच छक्के और आठ चौके मारे। स्टोइनिस ने 39 गेंद की पारी में दो छक्के और आठ चौके जड़े। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने पावर प्ले में 64 रन जोड़े, लेकिन फॉर्म में चल रहे अभिषेक और शुभमन गिल (15) के विकेट गंवा दिए। अभिषेक ने बार्टलेट पर छक्के से खाता खोला और फिर सीन एबट की लगातार गेंदों पर दो चौके और एक छक्का मारा। वह हालांकि एलिस की गेंद को हवा में लहराकर विकेटकीपर जोश इंग्लिस को कैच दे बैठे। कप्तान सूर्यकुमार यादव (24) ने आते ही एलिस और एबट पर छक्के मारे, लेकिन एलिस ने गिल को पगबाधा कर दिया।

मुख्यमंत्री ने श्री मुक्तसर साहिब के लोगों को दिया बड़ा तोहफ़ा, 138.82 करोड़ के सीवरेज और जल आपूर्ति प्रोजेक्ट्स का किया शिलान्यास

- नए प्रोजेक्टों से ऐतिहासिक शहर की डेढ़ लाख आबादी को मिलेगा लाभ
- युवाओं को नशे की दलदल में धकेलने वालों के साथ कोई रहम नहीं किया जाएगा – मुख्यमंत्री
- सुखबीर बादल श्री अकाल तख्त साहिब पर गुनाह कबूल कर मुकर गए, लोग कभी माफ नहीं करेंगे – मान

हिन्द जनपथ
श्री मुक्तसर साहिब(ब्यूरो)। ऐतिहासिक नगर श्री मुक्तसर साहिब के लोगों को बड़ा तोहफा देते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज शहर में 138 करोड़ 82 लाख रुपए की लागत वाले सीवरेज और जल आपूर्ति प्रोजेक्टों का नींव पत्थर रखा।

यहां के गुरू गोबिंद सिंह स्टेडियम में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 138.82 करोड़ रुपए के प्रोजेक्टों में नए सीवरेज सिस्टम के लिए 90 करोड़ 68 लाख रुपए जबकि जल आपूर्ति के प्रोजेक्टों के लिए 48 करोड़ 14 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस शहर में 31 हजार घर हैं और इन प्रोजेक्टों के पूरा होने पर एक लाख 58 हजार लोगों को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि अब लोगों को पीने के साफ पानी और सीवरेज की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, "ऐतिहासिक शहर में 30 सालों बाद नया सीवरेज और जल आपूर्ति प्रोजेक्टों की शुरुआत की जा रही है लेकिन बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि पिछले समय में मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्री इस जिले से बनते रहे हैं लेकिन इस शहर को बुरी तरह नजरअंदाज किया गया। मैं खुद को भाग्यशाली समझता हूं कि परमात्मा ने इस ऐतिहासिक शहर में बड़े प्रोजेक्टों की शुरुआत करने का सौभाग्य बख्शा है।"

शहर की सीवरेज और जल आपूर्ति की मौजूदा स्थिति का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर का सीवरेज सिस्टम अपनी आयु पूरी कर चुका है और शहर में सीवरेज ब्लॉक होने की बहुत बड़ी समस्या है। कई नई आबादियां सीवरेज की सुविधा से वंचित हैं। नए प्रोजेक्टों से श्री दरबार साहिब के आस-पास के इलाके और अन्य जगहों पर सीवरेज और जल आपूर्ति की समस्या खत्म हो जाएगी। उन्होंने बताया कि कोटकपूरा रोड मेन जल घर और अबोहर रोड जल घर पर दो नंबर पानी की ऊंची टंकियां बनाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि इन विकास कार्यों के दौरान खोदी जाने वाली विभिन्न विभागों की मुख्य सड़कें और नगर कौंसिल की गलियां की पुनर्निर्माण के लिए इसी प्रोजेक्ट के तहत 17 करोड़ की व्यवस्था की गई है। उन्होंने अधिकारियों को दोनों प्रोजेक्ट समय पर पूरा करने के आदेश दिए।

पंजाब को नशों की दलदल में धकेलने वाली पारंपरिक राजनीतिक पार्टियों को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार को प्रदेश के माथे से नशों का कलंक हटाने के लिए 'युद्ध नशे के विरुद्ध' जैसी मुहिम चलानी पड़ रही हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा, "पिछली सरकारों ने नशा तस्करों पर नकेल नहीं कसी जिसके कारण हजारों नौजवान मौत के मुंह में चले गए। अब हम नशा तस्करों के खिलाफ जंग लड़ रहे हैं जबकि पारंपरिक पार्टियां संरक्षण देती थी।"

नाभा जेल में बंद पूर्व अकाली मंत्री के पक्ष में आए पारंपरिक पार्टियों के नेताओं पर तीखा निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कितनी हैरानी की बात है कि जो नेता नशा तस्करी के आरोपों का सामना कर रहा हो, उसके पक्ष में कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी, प्रताप सिंह बाजवा, सुखपाल सिंह खैहरा, भाजपा नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह और रवनीत सिंह बिट्टू ने खुलकर बयानबाजी की।

इसरो ने रचा इतिहास, 'बाहुबली' रॉकेट ने सबसे भारी उपग्रह को कक्षा में किया स्थापित

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश)- भारतीय धरती से नयी पीढ़ी के स्वदेशी 'बाहुबली' रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया जाने वाला सबसे भारी संचार उपग्रह रविवार को सफलतापूर्वक इच्छित कक्षा में स्थापित कर दिया गया। इसरो ने बताया कि 4,410 किलोग्राम वजनी संचार उपग्रह सीएमएस-03 को एलवीएम 3-एम5 रॉकेट के ज़रिए प्रक्षेपित किया गया, जिससे भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी को यह दुर्लभ उपलब्धि हासिल करने में मदद मिली। सीएमएस-03 एक बहु-बैंड संचार उपग्रह है और यह भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत समुद्री क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करेगा।

उपग्रह को वांछित भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया। यह 2013 में प्रक्षेपित की गई जीसैट 7 श्रृंखला का प्रतिस्थापन भी है। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा कि प्रक्षेपण यान ने संचार उपग्रह को इच्छित कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया। 4,410 किलोग्राम का उपग्रह सटीकता के साथ स्थापित कर दिया गया है। प्रक्षेपण के बाद मिशन नियंत्रण केंद्र से अपने संबोधन में उन्होंने एलवीएम 3 उपग्रह को 'बाहुबली' रॉकेट बताया, जो स्पष्ट रूप से इसकी भारी भार उठाने की क्षमता का संदर्भ था।

नारायणन ने याद दिलाया कि रॉकेट का पिछला प्रक्षेपण ''सबसे प्रतिष्ठित चंद्रयान 3 था, जिसने राष्ट्र को गौरव दिलाया। रविवार को ''भारी उपग्रह'' के साथ सफलता प्राप्त करने के बाद इसने ''एक और गौरव'' प्राप्त किया। प्रायोगिक मिशन सहित एलवीएम 3 के सभी आठ प्रक्षेपण सफल रहे हैं, जो 100 प्रतिशत सफलता दर दर्शाते हैं। अंतरिक्ष विभाग के सचिव नारायणन ने कहा, ''इस उपग्रह को कम से कम 15 वर्षों तक संचार सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

विश्व विजेता बनीं बेटियां... टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका को 52 रनों से दी मात

नवी मुंबई: हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए रविवार को यहां वनडे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 53 रन से हराकर पहली आईसीसी ट्रॉफी जीती। भारत ने शेफाली वर्मा (78 गेंद में 87 रन) और दीप्ति शर्मा (58 रन) के अर्धशतक की बदौलत 7 विकेट पर 298 रन बनाए।

इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम दीप्ति शर्मा के पांच झटकों के सामने कप्तान लौरा वोलवार्ट (101 रन) के शतक के बावजूद 45.3 ओवर में 246 रन पर सिमट गई। दीप्ति ने 39 रन देकर पांच विकेट झटके। शेफाली वर्मा ने भी दो विकेट और श्री चरणी ने एक विकेट हासिल किया।

बिहार में बोले राहुल गांधी- मोदी ट्रंप से डरते हैं, अदाणी-अंबानी के रिमोट से चलते हैं

पटना: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह न केवल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से डरते हैं, बल्कि ''बड़े कारोबारी घरानों के रिमोट कंट्रोल'' के इशारे पर काम करते हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने बिहार के बेगूसराय जिले में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''बड़ी छाती होना ताकतवर होने की निशानी नहीं है। महात्मा गांधी को देखिए, उनका शरीर कमजोर था, लेकिन उन्होंने उस वक्त की महाशक्ति ब्रिटिश हुकूमत को झुका दिया।''

उन्होंने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''दूसरी ओर, हमारे नरेन्द्र मोदी हैं, जो अपनी 56 इंच की छाती होने का दावा करते हैं, लेकिन जब 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ट्रंप का फोन आया तो उन्हें घबराहट का दौरा पड़ गया और पाकिस्तान के साथ सैन्य टकराव दो दिन में खत्म हो गया। वह न सिर्फ ट्रंप से डरते हैं बल्कि अदाणी और अंबानी के रिमोट से चलते हैं।''

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के सभी बड़े फैसले जैसे नोटबंदी और माल एवं सेवाकर (जीएसटी) ''छोटे कारोबारियों को खत्म करके बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए गए थे।'' गांधी ने कहा, ''हमारी सोच अलग है। हम छोटे व्यापारियों को बढ़ावा देना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि आपके मोबाइल और टी-शर्ट पर 'मेड इन चाइना' की जगह 'मेड इन बिहार' लिखा हो।'' प्रधानमंत्री पर वोट पाने के लिए कुछ भी करने का आरोप लगाते हुए राहुल ने कहा, ''उन्हें कहिए योग करो, तो वह कुछ आसन करने लगेंगे।''

उन्होंने कहा कि अगर 'इंडिया' गठबंधन को बिहार में सत्ता मिली, तो उसकी सरकार हर वर्ग के लिए काम करेगी, किसी एक जाति या समुदाय के लिए नहीं। राहुल गांधी ने युवाओं से जुड़े मुद्दों पर कहा, ''प्रधानमंत्री युवाओं को रील्स देखने को कहते हैं ताकि उनका ध्यान असली मुद्दों से हट जाए और वे बेरोजगारी जैसे सवाल न पूछें।''

टी20 वर्ल्ड कप से पहले सरप्राइज, विलियमसन ने फॉर्मेट छोड़ने का ऐलान किया

ऑकलैंड- न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला शुरू होने से कुछ दिन पहले रविवार को टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। न्यूजीलैंड के लिए 93 टी-20 मैच खेलने वाले विलियमसन को हाल ही में 2026 के सत्र के लिए आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स का रणनीतिक सलाहकार नियुक्त किया गया था।

संन्यास लेने की घोषणा करने के कारण इस 35 वर्षीय बल्लेबाज को बुधवार से यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रही श्रृंखला के लिए 14 सदस्यीय टी20 टीम में शामिल नहीं किया गया। विलियमसन ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 2575 रन बनाए लेकिन वह एक भी शतक नहीं लगा पाए। वह कैरेबियाई टीम के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की तैयारी के सिलसिले में आगामी एकदिवसीय श्रृंखला में भी नहीं खेलेंगे।

विलियमसन ने न्यूजीलैंड की तरफ से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाए हैं। उनका औसत 33 है और उन्होंने 18 अर्धशतक लगाए हैं। इस प्रारूप में उनका उच्चतम स्कोर 95 रन है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सभी प्रारूपों में 19,000 से अधिक रन बनाने वाले इस क्रिकेटर ने 2011 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था और 75 मैच में टीम का नेतृत्व किया, जिसमें 2016 और 2022 में दो टी20 विश्व कप सेमीफाइनल और 2021 में फाइनल में कप्तानी करना शामिल है।

भारत को पुनः विश्व गुरु के रूप में प्रतिष्ठित करने हेतु महर्षि दयानंद की शिक्षा पद्धति होगी अपनानी - मुख्यमंत्री

- महर्षि दयानंद ने समाज में जागृति पैदा की, इसलिए वे सामाजिक चेतना के अग्रदूत कहलाए- नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आर्य समाज के प्रगतिशील विचारों को आज फिर उसी संकल्प, निष्ठा और समर्पण के साथ गांव-गांव और गली-गली तक पहुंचाने की जरूरत है, जिससे कि भारत 'आध्यात्मिक गुरु' का अपना प्राचीन गौरव फिर से हासिल कर सके।

मुख्यमंत्री रविवार को दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2025 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस मौके आर्य समाज की स्मारिका का विमोचन किया जिसमें आर्य समाज के 150 साल का स्वर्णिम अध्याय संकलित है। मुख्यमंत्री ने संस्था को अपने ऐच्छिक कोष से 51 लाख रुपए भी देने की घोषणा की। इस मौके पर गुजरात और महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि भारत को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित करना है, तो हमें महर्षि दयानंद जी की शिक्षाओं का अनुसरण करना होगा। उन्होंने कहा कि गुरुकुल शिक्षा पद्धति का महत्व पहले से भी अधिक बढ़ गया है। गुरुकुल प्रणाली में युवकों के चरित्र निर्माण और नैतिक गुणों के विकास पर विशेष बल दिया जाता है। सादगी और उच्च विचार इसके मूल आधार हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महर्षि दयानंद की विचार-रूपी सूर्य की किरणें, सम्पूर्ण विश्व को प्रकाशित करती रहें, इसी उद्देश्य से 1875 में आर्य समाज की स्थापना हुई। आर्य समाज एकमात्र ऐसा संगठन है, जिसने धर्म, समाज और राष्ट्र तीनों के लिए अभूतपूर्व कार्य किये हैं। आर्य समाज ने लोगों में चेतना जागृत कर उन्हें देश और धर्म की रक्षा के लिए सजग किया। इसके अलावा, जातिवाद का अंत करने, सबको पढ़ने का अधिकार, स्त्री शिक्षा, विधवा विवाह, छुआछूत को समाप्त करने, गौ रक्षा आदि के लिए उल्लेखनीय भूमिका भी निभाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महर्षि दयानंद ने सबसे पहले स्वराज की मशाल जलाई और नागरिकों को आजादी के लिए जागृत किया। यही कारण था कि देश के हर कोने में आजादी के आंदोलन ने गति पकड़ी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमर शहीद मदन लाल ढींगड़ा और शहीद-ए-आजम भगत सिंह जैसे नौजवान क्रांतिकारियों के जीवन पर आर्य समाज की गहरी छाप थी। उन्होंने कहा कि स्वामी जी सामाजिक पतन को देश की पराधीनता का कारण मानते थे, इसलिए उन्होंने शिक्षा के प्रचार, धार्मिक सुधार, सामाजिक सुधार जैसे क्षेत्रों पर अधिक ध्यान देने पर बल दिया। इसलिए उन्हें सामाजिक चेतना का 'अग्रदूत' भी कहा जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुकुलों का युवाओं को देशभक्त, कर्तव्यनिष्ठ और संस्कारवान बनाने में बड़ा योगदान है। आर्य समाज ने वेदों को पढ़ने और उनके मूल्यों को धारण करने की जो राह दिखाई है, उसके कारण समाज की सामाजिक, सांस्कृतिक व आध्यात्मिक प्रगति हुई है। हमारे गुरुकुलों में विद्यार्थियों को योग भी सिखाया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम का नाम नहीं, बल्कि मानसिक और आत्मिक विकास में भी इसका महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र संगठन द्वारा हर वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। इससे दुनिया में भारत की इस अमूल्य विरासत को पुनः सम्मान मिला है। हरियाणा सरकार योग एवं व्यायामशालाएं स्थापित कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महर्षि दयानंद ने सबसे ज्यादा स्त्री शिक्षा की वकालत की थी। स्वामी दयानंद , स्वामी श्रद्धानंद जैसे आर्यों ने और दूसरे महान आचार्यों ने गुरुकुल परम्परा को आगे बढ़ाने में बड़ा योगदान दिया। आज भी आर्य संस्थाओं में लाखों की संख्या में बेटियां व बेटे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

श्री नायब सिंह ने बताया कि वेदों में यह कहा गया है कि 'वेद बिना मति नहीं, गाय बिना गति नहीं'। गाय आदिकाल से ही भारतीय संस्कृति में पूजनीय रही है। सरकार प्रदेश में गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लगातार कार्य कर रही है।

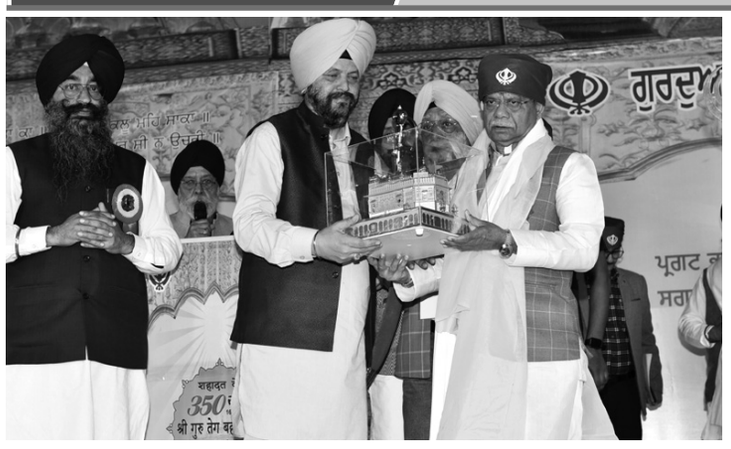

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर राज्यपाल ने श्रद्धांजलि अर्पित की

शिमला में राज्य स्तरीय समारोह में शामिल हुए

शिमला । राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर ऐतिहासिक रिज मैदान पर श्री गुरु सिंह सभा, शिमला द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि त्याग, तपस्या, भक्ति और मानवता की सेवा गुरु जी के जीवन के मूल संदेश थे और सभी को प्रदर्शित करता है। श्री शुक्ल ने कहा कि समाज में जब भय, असहिष्णुता या विभाजन की स्थितियां उत्पन्न होती है उस समय गुरु जी की शिक्षाएं हमें साहस, करुणा और सेवा की ओर ले जाती हैं। उन्होंने कहा कि सच्ची भक्ति, मानवता की सेवा और सत्य के मार्ग पर चलने में निहित है। उन्होंने लोगों से गुरु जी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात

उनके दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का जीवन हमें सिखाता है कि धर्म का अर्थ केवल पूजा-अर्चना नहीं, बल्कि मानवता की रक्षा है।उन्होंने कहा कि गुरु जी ने सभी लोगों के अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया और उनकी सर्वोच्च शहादत ने यह साबित कर दिया कि सत्य और न्याय के लिए दिया गया बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाता है। राज्यपाल ने कहा कि गुरु जी का संदेश किसी एक धर्म तक सीमित नहीं था, बल्कि यह पूरी मानवता के लिए है। उन्होंने कहा कि इस पावन अवसर पर विभिन्न समुदायों और क्षेत्रों के लोगों का इकट्ठा होना भारत की एकता और सौहार्द की भावना को करने, सहनशील बनने, दूसरों की आस्थाओं का सम्मान करने और समाज में एकता, सद्भाव और सेवा की भावना को बढ़ावा देने का आग्रह किया।इससे पहले, राज्यपाल का श्री गुरु सिंह सभा, शिमला के अध्यक्ष श्री जसविंदर सिंह ने अभिनंदन किया।

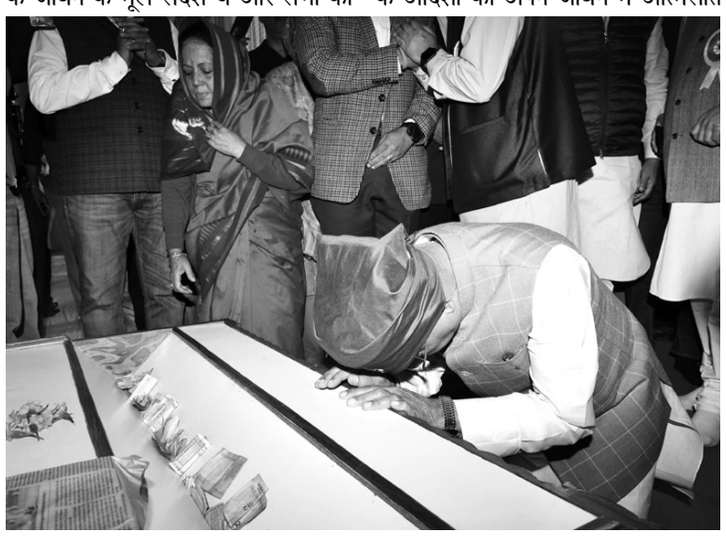

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर, लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, सांसद सुरेश कश्यप, पूर्व सांसद एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, विधायक हरीश जनारथा और हरदीप सिंह बावा, महापौर सुरेंद्र चौहान, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के सदस्य दलजीत सिंह भिंडर, सिख समुदाय के सदस्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

हिमाचल में 18,925 आंगनवाड़ी केंद्र पूरी कर रहे नौनिहालों की पोषण आवश्यकताएं

शिमला । बेहतर पोषण का संबंध शिशु, बाल और मातृ स्वास्थ्य में सुधार, मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली, सुरक्षित गर्भावस्था और प्रसव, गैर-संचारी रोगों जैसे मधुमेह और हृदय रोग का कम जोखिम और दीर्घायु से है। पोषण के जरिए एक स्वस्थ और सशक्त समाज के लिए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बहुआयामी प्रयास कर रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, पोषण स्वास्थ्य और विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

प्रदेश में 18,925 आंगनवाड़ी केंद्र नौनिहालों की पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ उनकी प्रारम्भिक शिक्षा जरूरतों को भी पूरा कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में छः वर्ष तक के बच्चों की हर महीने ग्रोथ मॉनिटरिंग की जा रही है। इस वित्त वर्ष में आंगनवाड़ी सेवा योजना के तहत 113 करोड़ रुपये प्रदेश सरकार के वित्त कोष से व्यय किए जा चुके हैं। वर्तमान वित्त वर्ष में विशेष पोषाहार कार्यक्रम के तहत 1516.09 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बाल्यकाल देखभाल के साथ औपचारिक स्कूली शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश सरकार ने सभी आंगनवाड़ी केंद्रों को आंगनवाड़ी सह-स्कूल घोषित किया है ताकि बच्चों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके। इससे उनकी प्रारम्भिक शिक्षा की मजबूत नींव तैयार होगी। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय एवं शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी आंगनवाड़ी केंद्रों एवं विद्यालयों के को-लोकेशन के लिए जारी दिशा-निर्देशों को अमल

में लाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय संयुक्त कमेटी का गठन किया जा चुका है।

प्रदेश के लिए स्वीकृत 1030 सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों में से जिला चम्बा के लिए 100 आंगनवाड़ी केंद्र स्वीकृत किये गए हैं। प्रदेश में आंगनवाड़ी केंद्रों में स्तरोन्नत करने की प्रक्रिया जारी है। राज्य के सभी डीपीओ, सीडीपीओ व सुपरवाइजर को स्टेट लेवल मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। इन प्रशिक्षित मास्टर टेञनर द्वारा सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा जिसके लिए प्रशिक्षण सामग्री का मुद्रण करवाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सभी सरकारी स्कूलों के बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाने के लिए मुख्यमंत्री बाल पौष्टिक आहार योजना शुरू की है। योजना के तहत राज्य के 15,181 सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे 5.34 लाख से अधिक छात्रों को पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाया जा रहा है। बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्कूलों में किचन गार्डन पहल को सफलतापूर्वक लागू किया जा रहा है। प्रदेश के 14 हजार 464 विद्यालयों में मिड-डे-मील कार्यकर्त्ताओं, स्कूल प्रबन्धन समिति, स्कूल स्टाफ और विद्यार्थियों की मदद से किचन गार्डन तैयार किए गए हैं। इन किचन गार्डन में मौसमी सब्जियां उगाई जाती हैं। विद्यालयों के परिसरों के साथ-साथ सीमित स्थानों वाले स्कूलों में बड़े कंटेनर, पोट्स और बाल्टियों में सब्जियां और जड़ी-बूटियां उगाई जाती हैं। किचन गार्डन में उगाई गई सब्जियों का उपयोग मिड-डे-मील बनाने में किया जा रहा है। इसके साथ-साथ बच्चों को प्राकृतिक खेती से तैयार उत्पादों के महत्त्व के बारे में भी अवगत करवाया जाता है। इस प्रयास से मिड-डे-मील के माध्यम से बच्चों की पोषण आवश्यकताओं की पूर्ति होने के साथ-साथ बच्चे खेती के प्रति भी जागरूक हो रहे हैं।

स्कूलों में कार्यरत मिड-डे-मील कार्यकर्ता बच्चों को पोषण के साथ प्यार परोसते हैं। कार्य के प्रति उनके समर्पण भाव को देखते हुए मुख्यमंत्री ने मिड-डे-मील कार्यकताओं के मानदेय में 500 रुपये की बढ़ोतरी की है। इससे 21,115 मिड-डे-मील वर्कर्स लाभान्वित होंगे और अब उनको 5000 रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। पोषणयुक्त आहार हर बच्चे का अधिकार है। संतुलित आहार बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य को आकार देने के साथ-साथ उसे मानसिक और भावनात्मक रूप से भी मजबूत करता है। प्रदेश सरकार ने बच्चों को पोषणयुक्त भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी नीतियां और योजनाएं शुरू की हैं। इसके फलस्वरूप एक हंसते-खेलते बचपन का निर्माण हो रहा है।

प्रदेश सरकार ने भर्ती निदेशालय के तहत कनिष्ठ कार्यालय सहायक का पृथक संवर्ग बनाने को स्वीकृति दी

शिमला । प्रदेश सरकार ने पारदर्शी, योग्यता-आधारित और एक-समान भर्ती प्रक्रिया को संस्थागत बनाने के दृष्टिगत अनेक कदम उठाए हैं। इसी कड़ी में विभिन्न सरकारी विभागों में अंतर-विभागीय स्थानांतरण और मानव संसाधनों की तर्कसंगत तैनाती सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भर्ती निदेशालय के अंतर्गत कनिष्ठ कार्यालय सहायक (आईटी) का पृथक संवर्ग बनाने को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस पहल का उद्देश्य सरकारी विभागों के सुचारू संचालन के लिए पारदर्शिता और आवश्यकता आधारित कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित करना है।

इसके तहत प्रारम्भिक रूप से सरकार ने राज्य संवर्ग में जॉब ट्रेनी के रूप में कनिष्ठ कार्यालय सहायक के 300 पद सृजित किए हैं। ये पद हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग के माध्यम से लागू आरक्षण रोस्टर के अनुरूप भरे जाएंगे।

प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि भर्ती निदेशालय संवर्ग नियंत्रण प्राधिकरण के रूप में कार्य करेगा और नियुक्ति, स्थानांतरण, सेवा रिकार्ड के रखरखाव और मानव संसाधन डेटा प्रबंधन की देख-रेख करेगा। इन कर्मचारियों का दैनिक पर्यवेक्षण, कार्य-निष्पादन मूल्यांकन और उपस्थिति निगरानी संबंधित विभागाध्यक्षों के पास रहेगी जहां उनकी तैनाती होगी। राज्य सरकार द्वारा अपनाए जाने वाले वरिष्ठता के सामान्य सिद्धांतों के आधार पर निदेशालय द्वारा संवर्ग वरिष्ठता बनाए रखी जाएगी। प्रवक्ता ने कहा कि सरकार सलाहकार विभागों के परामर्श से भर्ती एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं और मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) तैयार करेगी। ये प्रक्रियाएं नियुक्ति, नियंत्रण और अनुशासनात्मक प्राधिकारियों के साथ-साथ इन पदों को भरने के लिए विज्ञापन जारी होने से पहले रिक्यूजिशन, पोस्टिंग और रिपोर्टिंग की प्रक्रियाओं को परिभाषित करेंगी। संवर्ग क्षमता, पोस्टिंग और सर्विस रिकॉर्ड की वास्तविक समय पर निगरानी के लिए एनआईसी के माध्यम से एक केन्द्रित मानव संसाधन प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचआरएमआईएस) भी विकसित की जाएगी। प्रवक्ता ने कहा कि यह व्यवस्था विभिन्न विभागों में श्रमशक्ति की समयबद्ध तैनाती सुनिश्चित करने के साथ पारदर्शी और कुशल तरीके से युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगी।

बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के लिए राज्य में 213.75 करोड़ रुपये के निवेश से नैदानिक सुविधाओं का किया जा रहा उन्नयन

● बीमारी का समय पर पता लगाने और मरीजों के शीघ्र उपचार में मिलेगी सहायता

शिमला । मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने राज्य के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में नैदानिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए एक व्यापक कार्य योजना तैयार की है। इसके अंतर्गत अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक उपकरण स्थापित करने, बीमारियों का सटीक और समय पर पता लगाने और मरीजों के लिए शीघ्र उपचार सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए 213.75 करोड़ रुपये व्यय किए जा रहे हैं।

बीमारियों का पता लगाने में देरी के कारण स्वास्थ्य में गिरावट देखी जाती है। इसके दृष्टिगत मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्वास्थ्य विभाग को बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य संस्थानों में आधुनिकीकरण के लिए योजना लागू करने के निर्देश दिए हैं। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में निरंतर बैठकें आयोजित की गई और मेडिकल कॉलेजों व अन्य अस्पतालों के चिकित्सकों से मिले फीडबैक के बाद विभाग ने इस परियोजना की रूपरेखा तैयार की है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों के दृष्टिगत मुख्यमंत्री ने चमियाना, आईजीएमसी शिमला और टांडा मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा विशेषज्ञों से विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया है।

स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता के अनुसार, आईजीएमसी शिमला, चमियाना अस्पताल, नेरचौक मेडिकल कॉलेज, नाहन मेडिकल कॉलेज और चंबा मेडिकल कॉलेज के लिए 95 करोड़ रुपये की लागत से पांच उच्च-रिजोल्यूशन क्षमता की एमआरआई मशीनें खरीदी जा रही हैं। इसके अलावा, सात मेडिकल कॉलेजों में 28 करोड़ रुपये की लागत से दो-दो उन्नत सीटी इमेजिंग मशीनें भी लगाई जाएंगी।

इसके अतिरिक्त 8.75 करोड़ रुपये की लागत से 35 डिजिटल रेडियोग्राफी इकाइयां (प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में पांच), 14 करोड़ रुपये की लागत से 14 सीलिंग-सस्पेंडेड डीआर एक्स-रे मशीनें और सात मेडिकल कॉलेजों में 14 करोड़ रुपये की लागत से दो उन्नत अल्ट्रासाउंड इमेजिंग मशीनें लगाना भी शामिल है। इसके साथ ही सात मेडिकल कॉलेजों में 14 करोड़ रुपये की लागत से 7 डिजिटल मैमोग्राफी इकाइयां लगाई जा रही हैं इन सात मेडिकल कॉलेजों और शिमला के कमला नेहरू अस्पताल में 40 करोड़ रुपये की लागत से आठ इमेजिंग आर्काइव और रिट्रीवल टेक्नोलॉजी सिस्टम भी लगाए जा रहे हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि प्रदेशवासियों को राज्य में ही बेहतर उच्च-गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू की प्रमुख प्राथमिकताओं में शुमार है। स्वास्थ्य सेवाओं में सुदृढ़ीकरण के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि मरीजों को महंगे इलाज के लिए प्रदेश से बाहर न जाना पड़े।

उन्होंने कहा कि उन्नत नैदानिक अधोसंरचना के साथ-साथ, राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के अन्य पहलुओं को भी मजबूत कर रही है। स्वास्थ्य कर्मचारियों की कमी को दूर करने के लिए डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और तकनीशियनों के रिक्त पदों को भरा जा रहा है। चिकित्सा पेशेवरों के कौशल और दक्षता को बढ़ाने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर विशेष बल दिया जा रहा है।

फैडरेशन कप पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का शुभारंभ रैत में

कृषि मंत्री प्रो. चंद्र कुमार ने किया उद्घाटन, उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया रहे विशिष्ट अतिथि

शाहपुर । राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रैत में आज चार दिवसीय फैडरेशन कप क्लासिक एवं इक्विप्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2025 का शुभारंभ कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रो. चौधरी चंद्र कुमार ने किया। इस अवसर पर शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक, उपाध्यक्ष पावरलिफ्टिंग ऑफ इंडिया तथा अध्यक्ष एचपीपीए केवल सिंह पठानिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक योजनाएं लागू कर रही है। खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है, ताकि उन्हें और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा मिले। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता सुधार पर भी जोर देते हुए कहा कि सरकार बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा और खेल के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मंत्री ने इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के सुचारू संचालन हेतु एक लाख रुपये देने की घोषणा की तथा विद्यालय में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए इक्कीस हजार रुपये की अतिरिक्त राशि देने की घोषणा की। उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शाहपुर क्षेत्र के लिए यह गौरव की बात है कि राष्ट्रीय स्तर की यह प्रतियोगिता रैत में आयोजित की जा रही है। उन्होंने देशभर से आए प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें आश्वस्त किया कि आयोजन के दौरान उन्हें किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। उन्होंने बताया कि रैत में डे बोर्डिंग स्कूल की स्थापना के लिए पहली किश्त के रूप में 1.50 करोड़ रुपये की धनराशि प्राप्त हो चुकी है।

चार दिवसीय इस चैंपियनशिप में देशभर के लगभग 200 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य शमशेर भारती ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं अन्य आगंतुकों का स्वागत किया। पावरलिफ्टिंग ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सतीश कुमार ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि चार दिनों तक चलने वाली यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होगी।

इस अवसर पर ओबीसी टीम शाहपुर ने सुरेश पटाकू के नेतृत्व में कृषि मंत्री को शाल और टोपी भेंटकर सम्मानित किया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त सचिव विस गोवर्धन, एसडीएम शाहपुर करतार चंद, उपनिदेशक प्रारंभिक शिक्षा अजय समयाल, कांग्रेस नेता डी.डी. शर्मा, उपमुख्य सचेतक के सलाहकार विनय एवं प्रदीप बलौरिया, जिप सदस्य रितिका शर्मा, पावरलिफ्टिंग प्रतिनिधि अजीत कुमार व ध्रुव कुमार, पूर्व प्रधान पिंटू परमार, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, अध्यापक, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

लोक निर्माण विभाग के अधिनियम, नियम और दिशा-निर्देश आम जनता के लिए उपलब्धः मुख्यमंत्री

शिमला । मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि लोक निर्माण विभाग ने पिछले 50 वर्षों के सभी अधिनियमों, नियमों, अधोसंरचना, दिशा-निर्देशों और मापदंडों का एक संग्रह तैयार किया है ताकि इन्हें आम जनता के लिए आसानी से उपलब्ध करवाया जा सके।

उन्होंने कहा कि यह दस्तावेज सरकार और ठेकेदारों व कार्यकारी एजेंसियों सहित अन्य हितधारकों के लिए पारदर्शिता, जवाबदेही और सुगमता बढ़ाने में अत्यंत महत्त्वपूर्ण साबित होगा और इससे भ्रष्टाचार जैसी गतिविधियों पर निगरानी रखी जा सकेगी। इस पहल से लोगों को लोक निर्माण विभाग के कार्यों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी और दस्तावेज प्राप्त करने के लिए विभिन्न सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इसमें लोक निर्माण विभाग के सभी कार्यक्षेत्रों जैसे सिविल, इलेक्ट्रिकल, मेकैनिकल, आर्केटेक्चर विंग इत्यादि के साथ वित्तीय पहलुओं को भी शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन में पारदर्शिता, दक्षता और डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के साथ-साथ व्यापक और उपयोगकर्ता के अनुकूल कदम उठाने की आवश्यकता है। सभी महत्त्वपूर्ण अधिनियमों, नियमों और दिशा-निर्देशों के संग्रहण से समय की बचत के साथ-साथ सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार और विभागीय कार्यप्रणाली को आधुनिक प्रशासनिक अपेक्षाओं के अनुरूप बनाने में सहायता मिलेगी।

लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि राज्य सरकार ने सड़क निर्माण, सुरक्षा और विकास से संबंधित विभिन्न अधिनियमों, नियमों और मापदंडों का संकलन किया है। इसका उद्देश्य जनता को बेहतर, सुरक्षित और सुगम तरीके से सुविधाएं प्रदान करना है।

सचिव लोक निर्माण डॉ. अभिषेक जैन ने शनिवार सायं कहा कि यह संकलन लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के लिए एक उपयोगी दिशा-निर्देशिका साबित होगा। इस संकलन का अनुसरण करके वे जन सेवा कार्यों की योजनाओं को बेहतर कौशल के साथ प्रभावी ढंग से क्रियान्वित कर सकेंगे, साथ ही विभाग के अधिनियमों, नियमों, दिशा-निर्देशों और कार्यप्रणाली से संबंधित जानकारी जनता को एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकेगी।

प्रदेश में 1010.60 करोड़ की लागत से चल रही है जायका परियोजना: प्रो.चौधरी चंद्र कुमार

डढम्ब में 91.65 लाख की बहाब सिंचाई योजना त्रैम्बला ओला कूहल का किया शिलान्यास

शाहपुर । हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना (चरणङ्क2) जायका के तहत प्रदेश में कुल 1010.60 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। इस परियोजना के अंतर्गत आधारभूत सुविधाओं के विकास हेतु प्रदेश में 296 सिंचाई उपङ्कपरियोजनाएं तथा 10 कन्वर्जेंस सिंचाई उपङ्कपरियोजनाओं का निर्माण किया जा रहा है, जिनसे 7933 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। यह जानकारी कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रो. चौधरी चन्द्र कुमार ने दी। वे आज शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के डढम्ब में 91.65 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली बहाब सिंचाई योजना त्रैम्बलाङ्कओला कूहल का शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि जायका के तहत जिला परियोजना प्रबंधन इकाई पालमपुर (जिला कांगड़ा एवं चंबा) के माध्यम से 221 करोड़ रुपये से 102 उपङ्कपरियोजनाएं पालमपुर, देहरा, शाहपुर, ज्वाली और चंबा खंडों में प्रस्तावित हैं, जिनसे 3923.01 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई क्षमता विकसित होगी। कृषि मंत्री ने कहा कि इस परियोजना के अंतर्गत किसान विकास संघ, स्वयं सहायता समूह तथा किसान उत्पादन संगठन (स्नक्क्हृद्य) गठित किए जाएंगे, ताकि किसान अपनी आय बढ़ा सकें और परिवार का बेहतर निर्वाह कर सकें। उन्होंने बताया कि परियोजना के अंतर्गत भूमिहीन परिवारों को डेयरी, मधुमक्खी पालन, कुक्कुट पालन, मशरूम एवं शीटाके उत्पादन तथा मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में आजीविका सुधार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

कृषि मंत्री ने किसानों से आग्रह किया कि वे अपनी फसलों का बीमा अवश्य करवाएं तथा किसान क्रेडिट कार्ड भी बनवाएं ताकि विपरीत परिस्थितियों में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार फसल विविधीकरण को विशेष प्राथमिकता दे रही है ताकि किसानों

की आय में निरंतर वृद्धि हो। साथ ही उन्होंने किसानों से अपनी खेती योग्य भूमि को परती न छोड़ने और खेतीबाड़ी को अपनाने का आह्वान किया, जिसे उन्होंने ÷एक अच्छा व्यायाम और आजीविका का सशक्त माध्यम÷ बताया।

इस अवसर पर शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने विधानसभा क्षेत्र में आगमन एवं कूहल के शिलान्यास के लिए कृषि मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जायका के तहत शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में 6.75 करोड़ रुपये की धनराशि विभिन्न उपङ्कपरियोजनाओं पर व्यय की जा रही है, जिनसे 1510 किसान परिवारों की 342.83 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। उन्होंने बताया कि त्रैम्बला कूहल के बन जाने से 230 किसानों की 63.50 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी।

श्री पठानिया ने कृषि मंत्री से आग्रह किया कि विभाग के तकनीकी विंग को और अधिक सुदृढ़ किया जाए ताकि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि शाहपुर विधानसभा में जलशक्ति विभाग द्वारा भी किसानों की सुविधा के लिए विभिन्न कूहलों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे किसानों को वर्षभर सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सके।

कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक कृषि डॉ. राहुल कटोच ने विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी, जबकि जिला परियोजना प्रबंधक डॉ. योगिंदर पाल ने मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए परियोजना की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग धर्मशाला के कलाकारों ने गीत-संगीत के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर कृषि मंत्री ने नौ प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया तथा पात्र नौ लोगों को मुख्यमंत्री राहत कोष के तहत चेक प्रदान किए।

आवश्यक सूचना

ब्पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

स्टैंड अप कॉमेडियन राजीव मल्होत्रा ने कवितावली के नवंबर अंक का विमोचन किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। स्टैंड अप कॉमेडियन राजीव मल्होत्रा ने कवितावली के नवंबर अंक का विमोचन किया। इस पत्रिका के मुख्य संपादक ग्रेट ब्रिटेन के डॉ. सुरेश पुष्पाकर हैं। जिनके सान्निध्य में कवितावली के नवंबर अंक का अनावरण कॉमेडियन राजीव मल्होत्रा के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि हास्य कलाकार राजीव मल्होत्रा ने कवितावली परिवार के सदस्यों को बधाई संदेश देते हुए कहा कि कवितावली में प्रकाशित सभी रचनाकार उत्कृष्ट स्तर के रचनाकार हैं। युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि केवल पुस्तकें पढ़कर ही कामयाबी हाथ नहीं लगती, कोई भी क्षेत्र हो सफलता पाने के लिए मेहनत करना बहुत जरूरी है।

पुष्पाकर के प्रश्न का जवाब देते हुए उन्होंने हास्य और व्यंग्य में अंतर बताते हुए कहा कि हास्य वह है जो हम सुनाते हैं, सभी श्रोता आनंद लेते हैं और किसी को बुरा नहीं लगता तथा व्यंग्य में किसी की कमी को हास्य रूप में प्रस्तुत करते हैं, जहाँ कटाक्ष भी होता है। अपनी खाकी वर्दी कविता पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सिर्फ हंसी ही नहीं कुछ ऐसी संवेदनशीलता भी होनी चाहिए जो समाज तक कोई संदेश पहुंचाए।

कवितावली पत्रिका बड़ी तेजी से देश-विदेश में अपनी पहचान एक उत्कृष्ट साहित्यिक पत्रिका के रूप में बना चुकी है। अपनी बात रखते हुए संपादक डॉ. अरुण कुमार त्रिपाठी ने कहा कि कवितावली में प्रकाशित होना साहित्यकारों के लिए गर्व की बात है। इसकी डिजाइनिंग के प्रशंसकों की बात हर मुख पर है। अन्त में पत्रिका के सलाहकार संपादक डॉ. विजय कपूर ने मुख्य अतिथि एवं समारोह से जुड़े साहित्यकारों को धन्यवाद प्रेषित किया।

इस अवसर पर कवितावली के संपादकीय मंडल के सदस्य - ग्रेट ब्रिटेन से मुख्य संपादक डॉ. सुरेश पुष्पाकर, भारत से सलाहकार संपादक, सुश्री ईनू शर्मा, डॉ. विजय कपूर, संपादक, डॉ. अरुण कुमार त्रिपाठी, संयुक्त संपादक, डॉ. संतोष गर्ग, प्रो. अलका कांसरा, कार्यकारिणी सदस्य, सोमेश गुप्त, मंजुषा राजा भोज, मुस्कान सहगल, नीरज तंवर, सलाहकार, कमल अरोड़ा, गणेश दत्त, डॉ. कृष्णा गोयल, निधि मलिक तथा जापान की देश प्रमुख, प्रो. सुदेश मोदगिल के अलावा ऑनलाइन के माध्यम से देश- विदेश से साहित्यकार इस समारोह के साक्षी रहे।

सुनने में असमर्थता की समस्या का समाधान योग द्वारा भी किया जा सकता है : ब्रह्मवादिनी स्वामी कृष्णकांता जी महाराज

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। ब्रह्मर्षि योग ट्रेनिंग कॉलेज, सेक्टर 19 ए द्वारा कॉलेज प्रांगण में ब्रह्मवादिनी स्वामी कृष्णकांता जी के आशीर्वाद से पीजीआई और नेशनल रिहैबिलिटेशन इंस्टीट्यूट (एनआरआई) के सहयोग से सुनने की क्षमता की जांच का शिविर लगाया गया जिसमें 78 लाभार्थियों ने शिविर का लाभ उठाया।lnएमओएच डॉक्टर इंद्रप्रीत और एनआरआई अध्यक्ष डॉक्टर लखविंदर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। ब्रह्मवादिनी स्वामी कृष्णकांता जी महाराज ने अपने आशीर्वचन में बताया कि इस समस्या का समाधान योगा द्वारा भी किया जा सकता है।डॉक्टर लखविंदर और डॉक्टर इंद्रप्रीत ने हर आयु वर्ग के व्यक्तियों की नियमित जांच और यह समस्या कैसे होती है और इसके बचाव के तरीके पर अपनी बात रखी। डॉक्टर इंद्रप्रीत ने इस बात पर भी जोर दिया कि शहर की सफाई में आम नागरिक का भी भरपूर सहयोग अपेक्षित रहता है। अंतर्राष्ट्रीय ब्रह्मर्षि मिशन सदस्य अजय सिंगला ने बताया कि पीजीआई से डॉक्टर धर्मवीर और उनकी टीम सदस्य, मिशन अध्यक्ष रामधन अग्रवाल, सचिव आरबी सिंगला और मिशन के सदस्यों का पूरा सहयोग रहा। शिविर में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए ब्रह्मर्षि योग ट्रेनिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ सविता कंसल, कॉलेज स्टाफ और विद्यार्थियों को ब्रह्मवादिनी स्वामी कृष्णकांता जी ने अपना विशेष आशीर्वाद और साधुवाद दिया।

सुभाष भास्कर गुरदियाल सिंह पुरस्कार से सम्मानित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रसिद्ध साहित्यकार एवं चण्डीगढ़ साहित्य अकादमी के सचिव सुभाष भास्कर को आज पटियाला में आयोजित एक भव्य समारोह में पद्म भूषण डॉ. सरदारा सिंह जौहल द्वारा गुरदियाल सिंह पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह आयोजन भाषा विभाग, पंजाब द्वारा पंजाबी माह के उपलक्ष्य में किया गया था। सुभाष भास्कर को यह सम्मान उनकी हिंदी से पंजाबी में अनुवादित पुस्तक अनवंडया पंजाब के लिए प्रदान किया गया, जिसे वर्ष की सर्वोत्तम पंजाबी पुस्तक के रूप में चुना गया है।

इस पुस्तक के मूल लेखक डॉ. चन्द्र त्रिखा हैं। पुरस्कार के अंतर्गत उन्हें 31,000/- रुपए नगद, प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्र प्रदान किया गया। सुभाष भास्कर ने घोषणा की कि वे यह संपूर्ण राशि अपने माता-पिता की स्मृति में गांव पायल (जिला लुधियाना) में बनने वाली पुस्तकालय के निर्माण हेतु दान करेंगे। सुभाष भास्कर की पंजाबी और हिंदी दोनों भाषाओं में अनेक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। अनुवाद के क्षेत्र में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है। वे पंजाब सरकार के राज्य पुरस्कार से भी सम्मानित हो चुके हैं। साहित्यिक कार्यों के साथ-साथ रक्तदान में भी उनका योगदान प्रेरणादायी रहा है। उनकी इस उपलब्धि पर चंडीगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ मनमोहन सिंह और वाइस चेयरमैन डॉ अनीश गर्ग ने बधाई देते हुए कहा कि हमें गर्व है कि हमारे साथी ने शहर का नाम रोशन किया। वरिष्ठ साहित्यकार प्रेम विज एवं समाजसेवी केके शारदा ने कहा कि आने वाले दिनों में सुभाष भास्कर की इस उपलब्धि पर एक भव्य कार्यक्रम रखेंगे। शहर के अन्य साहित्यकार डॉ. विनोद शर्मा, पाल अजनबी, दीपक चनारथल, भूपेंद्र मलिक, गुरदीप कौर गुल, प्रज्ञा शारदा ने बधाई व्यक्त की।

डॉ राजेंद्र कुमार कनौजिया की नवीनतम पुस्तक मेरी प्रिय कहानियां का हुआ विमोचन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। साहित्यिक संस्था अभिव्यक्ति, सृष्टि प्रकाशन और सेंट्रल स्टेट लाइब्रेरी के संयुक्त तत्वाधान में सेक्टर 17 की लाइब्रेरी में डॉ राजेंद्र कुमार कनौजिया की नवीनतम पुस्तक मेरी प्रिय कहानियां का विमोचन किया गया जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार रतन चंद रत्नेश ने की। संग्रह में प्रकाशित कहानियों पर विजय कपूर, डॉ. दलजीत कौर और डॉ. अश्वनी शांडिल्य ने अपने विचार रखे। डॉ दलजीत कौर ने संग्रह की सभी कहानियों पर संक्षिप्त टिप्पणी की, जबकि विजय कपूर और डॉ. शांडिल्य ने इन कहानियों के सकारात्मक पक्ष, कथ्य और भाषा-शैली पर प्रकाश डाला। उनका कहना था कि कहानियाँ सामाजिक चेतना से जुड़ी हुई हैं और साथ ही मानव मूल्यों में होते ह्रास को रेखांकित करती हैं। संवेदनशील कहानीकार समाज के निचले स्तर और दबे-कुचले लोगों के प्रति हो रहे शोषण से विचलित होता रहता है, इसकी झलक

अदृश्य चेहरे और जोकर में देखी जा सकती है। जोकर में बकायदा व्यंग्यात्मक शैली में कहा गया है कि समाज में हम सब जोकर ही हैं, फर्क सिर्फ इतना है कि कौन किसका जोकर बनता है।

बरगद के फूल संग्रह की बेहतर कहानियों में से एक है जिसमें घर के बुजुर्ग के अपने जैसे एक बुजुर्ग पेड़ को कटने से बचाने की कशमकश परिलक्षित होती है। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य मे रतन चंद रत्नेश ने कहानियों, लघुकथाओं और पत्रिकाओं में प्रकाशित पेंटिंग्स के माध्यम से डॉ. कनौजिया का परिचय कराते उनकी बीस वर्ष पूर्व लिखी रचनाओं का जिक्र किया और उनकी एक लघुकथा घरौंदा सुनाते हुए संग्रह की विशेषकर चार कहानियों शिनाख्त, खानाबदोश, टूटते पुल-दरकती दीवारें और दीमक की ओर ध्यान खींचा जिनमें अतीत की आहटें सुनाई देती हैं। इनका संबंध शहरयार की एक ग़ज़ल ये क्या जगह है दोस्तों, यह कौन सा दयार है से जोड़कर सुनाते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने की चाहत में पीछे क्या कुछ छूट जाता है, यह इन कहानियों में बखूबी झलकता है। इन कहानियों की भावभूमि एक होने के बावजूद इनके ट्रीटमेंट में विविधता को उन्होंने रेखांकित किया।

पाकिस्तान की प्रॉक्सी वार केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि सामाजिक और मानसिक स्तर पर भी लड़ी जा रही है : मेजर जनरल अनिल खोसला (सेवानिवृत्त)

चण्डीगढ़ : राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाले फोरम फॉर अवेयरनेस ऑफ़ नेशनल सिक्योरिटी (एफएएनएस) के चीफ पेट्रन इन्द्रेश कुमार के मार्गदर्शन में, एफएएनएस, चंडीगढ़ चैप्टर और पंजाब विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस एंड नेशनल सिक्योरिटी स्टडीज ने पाकिस्तान की प्रॉक्सी वार और भारत की आंतरिक सुरक्षा विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया। सेमिनार में रक्षा विशेषज्ञ, रणनीतिक चिंतक और विद्वानों ने पाकिस्तान की दीर्घकालिक प्रॉक्सी रणनीति और इसके भारत की आंतरिक स्थिरता पर प्रभावों पर विचार-विमर्श किया। मेजर जनरल अनिल खोसला (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष, एफएएनएस ने कहा कि पाकिस्तान की प्रॉक्सी वार केवल सीमाओं पर नहीं बल्कि समाज और मानसिक स्तर पर भी लड़ी जा रही है। भारत को नागरिक जागरूकता और रणनीतिक स्पष्टता के साथ इसका सामना करना होगा। सेमिनार में मेजर जनरल नीरज बली (सेवानिवृत्त), कर्नल जैबंस सिंह (सेवानिवृत्त), और सहायक प्रोफेसर हरमनप्रीत सिंह संधु ने हाइब्रिड युद्ध, ड्रग्स-आधारित अस्थिरता और आंतरिक सुरक्षा मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

श्री गुरु तेग़ बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस:

लाइट एंड साउंड शो की 4 नवंबर से होगी शुरूआत: तरुनप्रीत सिंह सौंद

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के पर्यटन और सांस्कृतिक मामलों के मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा नौवें पातशाह श्री गुरु तेग़ बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस पूर्ण श्रद्धा और भक्ति भाव से बड़े स्तर पर मनाया जा रहा है। इसी क्रम में आयोजित कार्यक्रमों के तहत गुरु साहिब से जुड़े इतिहास को प्रदर्शित करने के लिए 4 नवंबर से राज्य के विभिन्न जिलों में 'लाइट एंड साउंड शो' की शुरुआत की जा रही है।

सौंद ने बताया कि 4 नवंबर 2025 को शाम 6 बजे से यह शो पठानकोट के लमीनी स्टेडियम, जालंधर के गुरु गोबिंद सिंह स्टेडियम, पटियाला के पोलो ग्राउंड, और फतेहगढ़ साहिब के खेल स्टेडियम माधोपुर में शुरू होंगे। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं और 20 नवंबर तक ये शो पूरे पंजाब के सभी जिलों में आयोजित किए जाएंगे।

मंत्री ने आगे बताया कि इन 'लाइट एंड साउंड शो' के माध्यम से गुरु तेग बहादुर जी के संपूर्ण जीवन, उनके दर्शन और धर्म की रक्षा के लिए दिए गए उनके महान बलिदान को प्रदर्शित किया जाएगा, ताकि हमारी वर्तमान पीढ़ी इस गौरवशाली इतिहास से परिचित हो सके। उन्होंने संगत से अपील की कि वे अपने परिवारों सहित इन शो में शामिल होकर इन ऐतिहासिक पलों के साक्षी बनें।

सौंद ने यह भी बताया कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को मनाने के लिए आयोजित कार्यक्रमों की शुरुआत 25 अक्टूबर को नई दिल्ली स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री सीस गंज साहिब से हो चुकी है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा शहीदी कार्यक्रमों के तहत 19 नवंबर से 22 नवंबर तक 4 नगर कीर्तन भी सजाये जाएंगे, जिनकी शुरुआत श्रीनगर से होगी।

डॉ. बलजीत कौर के नेतृत्व में बाल भिक्षावृत्ति के उन्मूलन की दिशा में पंजाब का बड़ा मिशन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री स भगवंत मान और सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर के दूरदर्शी नेतृत्व में पंजाब सरकार ने अब तक अपनी प्रमुख परियोजनाओं 'जीवनजोत' और 'जीवनजोत 2.0' के तहत 704 बच्चों को बाल भिक्षावृत्ति के जाल से मुक्त कराया है। यह पहल राज्य के हर बच्चे के पुनर्वास, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन को सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है और बाल सुरक्षा के क्षेत्र में पंजाब सरकार के प्रेरणादायक प्रयासों की मिसाल प्रस्तुत करती है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि 'जीवनजोत परियोजना' जुलाई 2024 से पूरे पंजाब में लागू की गई है। इसके तहत जिला प्रशासन प्रत्येक माह के दूसरे सप्ताह में बचाव अभियान चलाता है। भिक्षा मांगने से मुक्त कराए गए बच्चों का पुनर्वास उनकी आयु, योग्यता और उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से किया जा रहा है।

शोषण के विरुद्ध राज्य सरकार के सख्त रुख को रेखांकित करते हुए डॉ.

कौर ने बताया कि मानव तस्करी और संगठित भिक्षावृत्ति गिरोहों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने 'जीवनजोत 2.0' की शुरुआत की है। इस पहल के तहत बचाए गए बच्चों और उनके साथ मौजूद वयस्कों के रिश्तों की पुष्टि के लिए डीएनए परीक्षण किए जा रहे हैं। यदि डीएनए परिणाम मेल नहीं खाते, तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाती है।

अब तक बचाए गए 704 बच्चों में से 269 को स्कूलों में दाखिला दिलाया गया है, 15 को आंगनवाड़ी केंद्रों में भेजा गया है, 43 बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना के तहत लाभ प्रदान किया गया है, और 15 बच्चों को स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत कवर किया गया है।

इस पहल के बारे में बोलते हुए डॉ. बलजीत कौर ने कहा, "हर बच्चा सुरक्षित और सम्मानजनक बचपन का हकदार है। 'जीवनजोत परियोजना' के माध्यम से पंजाब सरकार न केवल बच्चों को शोषण से बचा रही है, बल्कि यह भी सुनिश्चित कर रही है कि उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और उम्मीदों से भरा भविष्य मिले।"

उन्होंने दोहराया कि पंजाब सरकार हर बच्चे के शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान के अधिकार की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, ताकि राज्य के हर बच्चे को भिक्षा-मुक्त, सुरक्षित और सम्मानजनक बचपन प्रदान किया जा सके।

डॉ. बलजीत कौर ने लोगों से अपील की कि यदि वे किसी बच्चे को भिक्षा मांगते हुए देखें, तो तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर सूचना दें, ताकि उस बच्चे को सुरक्षित और उज्जवल बचपन की ओर लौटाया जा सके।

आओ, हम सब मिलकर पंजाब को बाल भिक्षा-मुक्त और सुरक्षित बचपन वाला राज्य बनाएं।

गैंगस्टर गुरदेव जस्सल और गुरलाल उर्फ गुल्लू के दो अन्य गुर्गे गुरदासपुर से गिरफ्तार; तीन पिस्तौलें बरामद

- **गिरफ्तार दोनों आरोपियों को पंजाब में विरोधी गैंग के सदस्यों की टारगेट किलिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई थी: डीजीपी गौरव यादव**
- **आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियाँ व बरामदगियाँ होने की संभावना: डीआईजी बॉर्डर रेंज संदीप गोयल**

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़/गुरदासपुर(ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए गुरदासपुर पुलिस ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) आतंकी संगठन से जुड़े कट्टरपंथी गैंगस्टर गुरदेव जस्सल और गुरलाल उर्फ गुल्लू के दो और गुर्गों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से तीन .32 बोर की पिस्तौलें, मैगजीनें और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। इस बारे में जानकारी आज डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान नवांशहर के बैंस निवासी लवदीप सिंह उर्फ लव और एसबीएस नगर के बहराम कस्बे के गांव बीसला निवासी टेक चंद उर्फ टिंकू के रूप में हुई है।

यह सफलता उस घटना के एक दिन बाद मिली है जब पुलिस ने गैंगस्टर गुरदेव जस्सल और गुरलाल उर्फ गुल्लू के दो अन्य गुर्गों को एक आधुनिक 9 एमएम पिस्तौल के साथ जबरन वसूली से जुड़ी दो हालिया फायरिंग घटनाओं में गिरफ्तार किया था।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से यह बात सामने आई है कि दोनों आरोपियों को विदेशों में बैठे उनके संचालकों ने पंजाब में दहशत और अशांति फैलाने की बड़ी साजिश के तहत विरोधी गैंग के सदस्यों की टारगेट किलिंग की जिम्मेदारी दी थी।

डीजीपी ने कहा कि पूरे नेटवर्क को खत्म करने के लिए इस मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

ऑपरेशन के विवरण साझा करते हुए डीआईजी बॉर्डर रेंज संदीप गोयल ने बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर एसएसपी गुरदासपुर आदित्य की निगरानी में पुलिस टीमों ने दोनों आरोपियों को कलानौर, गुरदासपुर के अड्डा बख्शीवाल से गिरफ्तार किया। इन टीमों का नेतृत्व डीएसपी कलानौर गुरविंदर सिंह चंदी, स्पेशल टीम इंचार्ज एसआई गुरविंदर सिंह और एसएचओ कलानौर इंस्पेक्टर जतिंदर सिंह कर रहे थे।

डीआईजी ने कहा कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियाँ व बरामदगियाँ होने की संभावना है।

एसएसपी गुरदासपुर आदित्य ने बताया कि पिस्तौलें बरामद करने के अलावा पुलिस टीमों ने उनकी बिना रजिस्ट्रेशन नंबर वाली सफेद वोक्सवैगन जेटा सेडान कार भी जब्त कर ली है, जिसका उपयोग आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने में किया जा रहा था।

इस संबंध में गुरदासपुर के थाना कलानौर में आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत एफआईआर नंबर 160 दिनांक 01.10.25 दर्ज की गई है।

'युद्ध नशों विरूद्ध': 246वें दिन, पंजाब पुलिस ने 1.4 किलोग्राम हेरोइन, 1.5 किलोग्राम अफीम समेत 90 नशा तस्करों को किया गिरफ्तार

'नशा छुड़ाने' के अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने 26 व्यक्तियों को नशा मुक्ति उपचार के लिए किया तैयार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा राज्य से नशों के पूर्ण उन्मूलन के लिए चलाई जा रही मुहिम "युद्ध नशों विरूद्ध" के लगातार 246वें दिन, पंजाब पुलिस ने रविवार को राज्यभर में 272 स्थानों पर छापेमारी की। इन छापों के दौरान 90 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया और 63 एफआईआर दर्ज की गईं। इसके साथ ही, 246 दिनों में अब तक गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 34,968 हो गई है।

छापेमारी के परिणामस्वरूप पकड़े गए नशा तस्करों के कब्जे से 1.4 किलोग्राम हेरोइन, 1.5 किलोग्राम अफीम, 1771 नशीली गोलियां और 30,230 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस आयुक्तों, उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को पंजाब को नशामुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हैं। पंजाब सरकार ने नशों के खिलाफ जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट उपसमिति का गठन भी किया है।

57 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 800 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 100 से ज्यादा पुलिस टीमों ने राज्यभर में 272 स्थानों पर छापेमारी की। इस अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 281 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की।

राज्य सरकार ने नशों के उन्मूलन के लिए तीन-आयामी रणनीति - प्रवर्तन, नशामुक्ति और रोकथाम लागू की है। 'नशा मुक्ति' के हिस्से के रूप में, पंजाब पुलिस ने आज 26 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार के लिए राज़ी किया है।

भगवान परशुराम भवन में विधिवत कर्मकांड सहित तुलसी विवाह बड़ी धूमधाम से मनाया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भगवान परशुराम भवन, सैक्टर 37 में तुलसी विवाह बड़े धूमधाम से मनाया गया। श्री ब्राह्मण सभा, चण्डीगढ़ अध्यक्ष यशपाल तिवारी ने बताया कि महिला संकीर्तन मण्डली के सहयोग से यह आयोजन किया। देवालय पूजक परिषद, चंडीगढ़ के मुख्य कोषाध्यक्ष पंडित देवी प्रसाद पैन्यूली ने विधिवत कर्मकांड सहित विवाह की प्रक्रिया को यज्ञ सहित संपन्न कराया। महिला संकीर्तन मण्डली की प्रमुख श्रीमती कृष्णा शुक्ला ने बताया कि वर की ओर से श्रीमती निर्मल मित्तल परिवार सहित बारात लेकर भगवान परशुराम भवन पहुंचे जहां श्रीमती तरसेम राणा ने सपरिवार अपने सगे संबंधियों एवं मित्रों सहित बारात का स्वागत किया। बैंड-बाजे और ढोल के साथ सब लोगों ने नाचते हुए आनंद उठाया। विवाह उपरांत वधू की विदाई के समय सभी उपस्थित परिजन भावुक हो गए।

राजीव विहार में शहीद लेफ्टिनेंट कर्नल शांति स्वरूप राणा, अशोक चक्र (मरणोपरांत) की प्रतिमा का अनावरण

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राजीव विहार आर्मी वेलफेयर हाउसिंग सोसाइटी, मनीमाजरा, द्वारा शहीद लेफ्टिनेंट कर्नल शांति स्वरूप राणा, अशोक चक्र (मरणोपरांत) को सोसाइटी के सेंट्रल पार्क में स्थापित उनकी प्रतिमा का अनावरण करके उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

उल्लेखनीय है कि लेफ्टिनेंट कर्नल राणा ने 2 नवंबर 1996 को कश्मीर घाटी में आतंकवादियों के साथ एक साहसी मुठभेड़ के दौरान अपने कर्तव्य का पालन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनके असाधारण साहस, नेतृत्व और कर्तव्यनिष्ठा के सम्मान में, उन्हें मरणोपरांत देश के सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता सम्मान अशोक चक्र से सम्मानित किया गया था।

अनावरण समारोह की अध्यक्षता बिहार रेजिमेंट के पूर्व कर्नल लेफ्टिनेंट जनरल के.एस. मान ने की। लेफ्टिनेंट कर्नल राणा इसी रेजिमेंट से थे। राजीव विहार आर्मी वेलफेयर हाउसिंग सोसाइटी के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल डी.एस. सरा और शहीद की पत्नी श्रीमती सविता राणा ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। बिहार रेजिमेंट की ओर से लेफ्टिनेंट जनरल केएस मान, लेफ्टिनेंट जनरल अमरजीत सिंह, मेजर जनरल एमएस बलहारा, मेजर जनरल डीपी सिंह, ब्रिगेडियर डीके मोहन और 3 बिहार और 13

आरआर के अधिकारियों ने पुष्पांजलि अर्पित की, जबकि राजीव विहार की ओर से अध्यक्ष कर्नल डीएस सरा और अन्य पूर्व अध्यक्षों मेजर जनरल आरके बावा, ब्रिगेडियर अजमेर सिंह और ब्रिगेडियर बीएम बख्शी ने पुष्पांजलि अर्पित की।

इस कार्यक्रम में राजीव विहार के सेवारत एवं सेवानिवृत्त सैन्यकर्मियों, दानापुर कैंट (बिहार), चंडीमंदिर सैन्य स्टेशन और ट्राईसिटी क्षेत्र से बिहार रेजिमेंट के सदस्यों और उनके परिवारों की प्रभावशाली उपस्थिति रही। बिहार रेजिमेंट की एक टुकड़ी ने सैन्य बैंड के साथ शहीद को एक प्रभावशाली गार्ड ऑफ ऑनर दिया। कश्मीर घाटी से 13 राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन की एक टीम, जिसके साथ लेफ्टिनेंट कर्नल राणा ने शहादत प्राप्त की थी, भी इस समारोह में शामिल हुई और श्रीमती सविता राणा और उनके परिवार को सम्मानित किया।

खाटू श्याम बाबा का जन्मोत्सव श्री श्याम संकीर्तन करके मनाया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। खाटू श्याम महिला मंडल, सैक्टर 7 द्वारा यहाँ स्थित रामलीला ग्राउंड में गढ़वाल भ्रातृ मंडल रामलीला एवं दशहरा कमेटी, सैक्टर 7 के सहयोग से देवउठनी एकादशी के अवसर पर खाटू श्याम बाबा का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से श्री श्याम संकीर्तन करके मनाया गया। इस अवसर अखंड ज्योत,भव्य दरबारऔर खाटू श्याम बाबा जी का अलौकिक श्रृंगार फूलों से किया गया। श्री श्याम संकीर्तन मे गुणमानकर्ता आकाश शर्मा प्रेम (चण्डीगढ़) एंड पार्टी द्वारा श्याम के भजनों की प्रस्तुति दी गई। श्री श्याम संकीर्तन के उपरांत आरती कर 56 भोग का प्रसाद और भंडारा वितरित किया गया।

संपादकीय

मासूमों के लिए यातनागृह बनते जा रहे हैं विद्यालय

शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को शारीरिक सजा देने पर कानूनन सख्त पाबंदी है। किसी भी तरह की प्रताड़ना को शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 17 (एक) का उल्लंघन माना गया है। बावजूद इसके कई शिक्षक आज भी बच्चों और किशोरों को शारीरिक या मानसिक रूप से प्रताड़ित करने से बाज नहीं आते। हिमाचल प्रदेश में शिमला जिले के रोहड़ू स्थित एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में हाल में एक ऐसा ही मामला सामने आया है। प्रधानाध्यापिका ने पांचवीं कक्षा के एक छात्र की कमीज उतरवा कर कांटेदार छड़ी से उसकी पिटाई की।इसका वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद शिक्षा विभाग ने आरोपी प्रधानाध्यापिका को निलंबित कर दिया है। सवाल है कि अगर विद्यालय के प्रमुख ही मासूम बच्चों से इस तरह का अमानवीय व्यवहार करेंगे तो अन्य शिक्षकों में इसका क्या संदेश जाएगा? विद्यालयों में बच्चों को सुरक्षित एवं पठन-पाठन के लिए बेहतर माहौल प्रदान करने की जिम्मेदारी संभालने वाले शिक्षकों के ऐसे आचरण को कैसे बर्दाश्त किया जा सकता है?हिमाचल प्रदेश में हाल के दिनों में किसी स्कूली बच्चे को शारीरिक सजा देने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले चंबा के भरमौर मंडल में शिक्षक द्वारा पिटाई की वजह से तीसरी कक्षा के एक बच्चे के कान का पर्दा फट गया था। इसी तरह हमीरपुर के एक विद्यालय में विद्यार्थियों को प्रताड़ित करने का मामला भी सामने आया था। ऐसे में सवाल है कि क्या शिक्षकों को यह प्रशिक्षण नहीं दिया जाता कि बच्चों से कैसा व्यवहार किया जाना चाहिए? पिटाई से उनके कोमल मन पर कितना गहरा और दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है?अगर विद्यालय में कोई बच्चा शरारत या गलती करता है, तो उसे मनोवैज्ञानिक तरीके से समझाया जाना चाहिए। भय का माहौल बनाना या शारीरिक सजा देना कानूनन अपराध है। इस तरह के असुरक्षित वातावरण में डरे-सहमे बच्चों की पढ़ाई पर भी बुरा असर पड़ता है। सरकार और शिक्षा विभाग को चाहिए कि इस तरह के मामलों में कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि दूसरे शिक्षक भी इससे सबक ले सकें।

देश भर में 2-3 माह का यह समय उत्सवों का कालखंड रहता है। गणेश उत्सव, विजयदशमी, दीपावली, छठ पूजा एवं उससे जुड़े अनेक धार्मिक उत्सव, कुछ प्रदेशों में उनके अपने नव वर्ष का प्रारंभ, मुस्लिम समाज में मनाया जाने वाला ईद जैसे त्यौहार समाज में उत्साह एवं उमंग का संचार करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 3-4 माह पूर्व से स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता को अपनाने का आग्रह देशवासियों से कर रहे हैं। वैसे तो 2014 में उनकी सरकार बनने के बाद उन्होंने 'मेक इन इंडिया', 'मेक फॉर वर्ल्ड' जैसे संकल्पों के आधार पर भारत को विदेशी निर्भरता कम करने एवं आत्मनिर्भरता अपनाने का मंत्र दिया था। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए कोरोना काल में 'वोकल फॉर लोकल' का उद्घोष भी उन्होंने किया।

पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत संकल्प ने चमकाई दिवाली, 5.40 लाख करोड़ रूपये का कारोबार

(शिवप्रकाश)

विश्व में अस्थिर होती अर्थव्यवस्थाओं का परिणाम भारत पर भी पड़ेगा, इस दूरदृष्टि के आधार पर उन्होंने स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता को अपनाने का संकल्प पुनः देशवासियों के सम्मुख दोहराया। 15 अगस्त के अपने भाषण 'मन की बात' तथा अलग-अलग स्थानों पर होने वाले अपने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अलग-अलग प्रकार से स्वदेशी का आह्वान किया। देश भर में 2-3 माह का यह समय उत्सवों का कालखंड रहता है। गणेश उत्सव, विजयदशमी, दीपावली, छठ पूजा एवं उससे जुड़े अनेक धार्मिक उत्सव, कुछ प्रदेशों में उनके अपने नव वर्ष का प्रारंभ, मुस्लिम समाज में मनाया जाने वाला ईद जैसे त्यौहार समाज में उत्साह एवं उमंग का संचार करते हैं। घरों में प्रकाश, परस्पर शुभकामनाओं के लिए भेंट, मिष्ठान वितरण, नए वस्त्रों का पहनना एवं एक दूसरे को उपहार देना समाज का स्वाभाविक चलन है। इस कालावधि में 2 अक्टूबर महात्मा गाँधी जी की जयंती खादी दिवस के रूप में भी मनायी जाती है। समाज की यह परंपरा एवं उत्साह स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता का आधार बने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने आह्वान किया कि 'नया समान स्वदेशी ही खरीदेंगे, घर सजाएंगे स्वदेशी से, जिंदगी बढ़ाएंगे स्वदेशी से।' एक दूसरे स्थान पर उन्होंने कहा कि गणेशोत्सव में स्वदेशी उत्पाद, उपहार वही जो भारत में बना हो, पहनावा वही जो भारत में बुना हो, सजावट वही जो भारत में बने सामान से हो, रोशनी वही जो भारत में बने सामान से हो। श्रम एवं श्रमिक वर्ग को महत्त्व

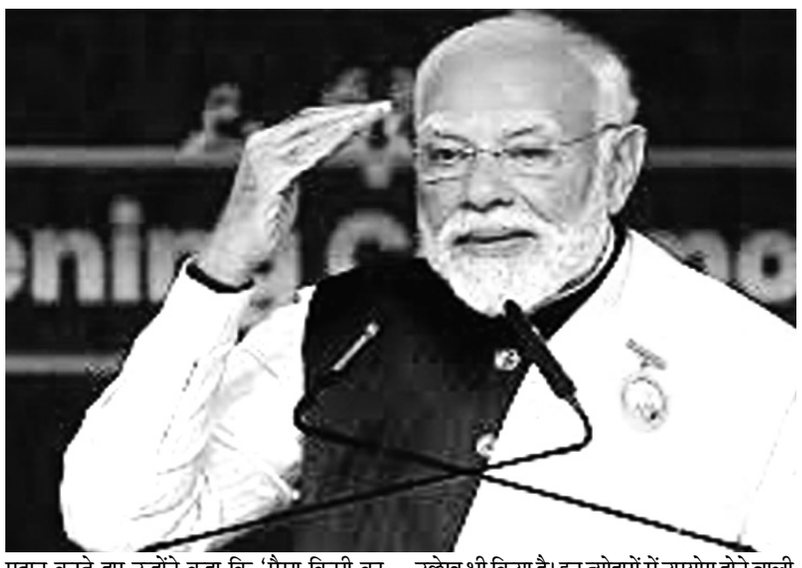

प्रदान करते हुए उन्होंने कहा कि 'पैसा किसी का सामान हमारा, जो प्रोडक्शन होगा उससे महक मेरे देश की मिट्टी की होगी, मेरे भारत माँ की होंगी।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह आह्वान केवल भावनात्मक नहीं, इसके पीछे समाज के आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से पिछड़े समाज के आर्थिक सशक्तिकरण का ही था। प्राचीन भारतीय समाज एक स्वावलंबी इकाई के स्वरूप में कार्य करता था एवं प्रत्येक वर्ग का कार्य भी परंपरा के रूप में निर्धारित था। महात्मा गाँधी जी ने हिंद स्वराज पुस्तक में इसका उल्लेख भी किया है। इन त्योहारों में उपयोग होने वाली आवश्यक वस्तुओं का यदि हम अध्ययन करते हैं तब हमको स्मरण आएगा कि यह समाज के जनसंख्या की दृष्टि से अधिकतम वर्ग अति पिछड़ा एवं दलित वंचित-समाज द्वारा निर्मित होते हैं। यह वर्ग पिछड़े वर्ग का 50त्न से भी अधिक भाग है। जैसे दीपावली पर उपयोग होने वाले दीपक, खादी एवं हथकरघा की बनी वस्तुएं, मोमबत्ती, पटाखे, पुष्प मालाएं, खिलौना, पूजा की सामग्री, जूते, आभूषण, ज्वेलरी, मिष्ठान आदि सामान कुम्हार (प्रजापति), चर्मकार ,कुटीर एवं लघु उद्योगों में कार्य करने वाली महिलाएं, छोटे कारीगर, जनजाति समाज द्वारा वनोपज से निर्मित स्थानीय उत्पाद, ज्वेलरी बिकती है बड़े प्रतिष्ठानो में पर उसके निर्माण में लगने वाले स्थानीय कारीगर एवं कारीगरी के लिये जाने वाले बंगाल के शिल्पकार संपूर्ण देश में मिलते हैं। छोटे-छोटे उत्पादो को ठेले, रेहड़ी-पटरियों पर बेचकर अपना अर्थोपार्जन करने वालो का त्यौहार इसी आमदनी से मनाया जाता है। कलांतर में यह सभी समान विदेशों से आयात होने के कारण, गरीब का रोजगार छिन गया। खिलौने, झालर, पटाखे एवं साज-सज्जा के सभी समान पर विदेशी बाज़ार का कब्जा हो गया। जिसके कारण गरीब की दीपावली भी गरीबी में चली गयी। दीपावली 2025 के अब तक के सीएआईटी (कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स) के सर्वेक्षण के अनुसार 5.40 लाख करोड़ का व्यवसाय व्यापारिक गतिविधियों के द्वारा हुआ जो कि 2024 में कुल 4.25 लाख करोड़ था। व्यापार में 25 त्न की वृद्धि गत वर्ष की तुलना में हुई। सहकार एवं कृषि क्षेत्र के बिना भी यह 9 करोड़ छोटे-छोटे व्यावसायिक इकाइयों का प्रतिनिधित्व करती है । सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) में भी 65,000 करोड़ का व्यवसाय किया गया है। 72 प्रतिशत व्यापारी मानते हैं कि व्यापार में यह उछाल जीएसटी की कमी के कारण आया है। 87 प्रतिशत खरीदारों ने स्वदेशी सामान खरीदकर मोदी जी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है। अनुमान के अनुसार 50 लाख लोगों को अल्पकालिक रोजगार भी उपलब्ध हुआ है। कुल बिक्री में छोटे-छोटे शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों का 28 प्रतिशत योगदान है। केंद्र सरकार द्वारा चालित कुम्हार सशक्तिकरण प्रोग्राम, वस्त्र उद्योग, धातु-काम कारीगर, लकड़ी कारीगर, बांस उद्योग आदि को एमएसएमई द्वारा प्रोत्साहन भी मिला है। ताजा बाजार एनालिटिक्स रिपोर्ट के अनुमान के अनुसार भारत का फेस्टिवल सीज़न कंज्यूमर खर्च 12 से 14 लाख करोड़ होगा । प्रधानमंत्री जी के आह्वान खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फ़ैशन के कारण 2104 की तुलना में खादी की बिक्री में 447 प्रतिशत बढ़ी है । 2014 में यह बिक्री 3154 करोड़ की तुलना में 2025 में 1.71 लाख करोड़ हुई है। इस वृद्धि के कारण 10 लाख से अधिक खादी के क्षेत्र में नए रोजगार सृजित हुए है ।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपने चिंतन में अंत्योदय (गरीब कल्याण) को ही प्रमुख स्थान दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान का परिणाम है कि यह दीपावली समाज के सभी वर्गों में उत्साह के साथ- साथ पिछड़े, दलितों एवं महिलाओं को सशक्तिकरण एवं रोजगार देने वाले बनी है । त्यौहार से अर्जित राशि बाजार की क्रय शक्ति को बढ़ाएगी जिससे हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। जिसके कारण दुनिया के सभी कुचक्रों का प्रतिकार हम कर सकेंगे । अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता केवल कुछ अवसर पर नहीं बल्कि हमारे जीवन का स्थायी मंत्र बनना चाहिए (लेखक राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री, भाजपा है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अपराध और हिंसा है आज की प्रमुख वैश्विक चिंता

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

जहां तक अपराध का प्रश्न है तो घरेलू हिंसा से लेकर संस्थागत हिंसा यानी की वर्ग विशेष द्वारा सामहिक योजनावद्ध हिंसा आम हो गई है। दुनिया के देशों में राजनीतिक अस्थिरता के चलते असंतोष के हालात, अन्य देशों में अवैध प्रवेष, अवैध निवास, शरणार्थियों की बड़ती भीड़ और हथियारों की सहज उपलब्धता के कारण हिंसा आम होती जा रही है।

दुनिया के देशों की पांच बड़ी चिंताओं में आज सबसे बड़ी चिंता अपराध और हिंसा होती जा रही है। बेरोजगारी भ्रष्टाचार या सामाजिक या लैंगिक असमानता इसके आसपास भी नहीं दिखाई देती है। दरअसल दुनिया के देशों के लोग आज सबसे अधिक अपराध और हिंसा से प्रताडित है। कहीं भी और किसी भी देश के समाचार पत्र या मीडिया चैनलों को देखेंगे तो अपराध और हिंसा की खबरों की भरमार मिल जाएगी। दुनिया के देशों के लोगों से संवाद कायम कर सर्वे के माध्यम से रुझानों की जानकारी देने वाली संस्था इप्सांस की हालिया रिपोर्ट तो यही कहानी कहती है। इप्सांस की रिपोर्ट की माने तो दुनिया की पांच बड़ी चिंताओं में 32 प्रतिशत चिंता अपराध और हिंसा की है तो 30 प्रतिशत चिंता सरकारों द्वारा लोगों पर लगाये जाने वाले कर प्रावधानों को लेकर है। सामाजिक असमानता की चिंता 29 प्रतिशत है तो राजनीतिक भ्रष्टाचार और बढ़ती बेरोजगारी चिंता का कारण केवल 28 प्रतिशत ही बन पा रही है। यह तो उदाहरण मात्र है। पर इसमें कोई दो राय नहीं कि अपराध और हिंसा आज वैश्विक समस्या बनती जा रही है। दुनिया के देशों में कहीं ना कहीं से प्रतिदिन अपराध और हिंसा की खबरें प्रमुखता से सामने आ रही है। जहां तक हिंसा का प्रष्न है उसके विषय में तो यह कहना ही पर्याप्त होगा कि जैसे कहावत है कि फलां के तो नाक पर ही गुस्सा बैठा रहता है, लगभग यह

स्थिति आज के युवाओं में ही नहीं अपितु अधिकतर नागरिकों में होती जा रही है।

जहां तक अपराध का प्रश्न है तो घरेलू हिंसा से लेकर संस्थागत हिंसा यानी की वर्ग विशेष द्वारा सामहिक योजनावद्ध हिंसा आम हो गई है। दुनिया के देशों में राजनीतिक अस्थिरता के चलते असंतोष के हालात, अन्य देशों में अवैध प्रवेश, अवैध निवास, शरणार्थियों की बड़ती भीड़ और हथियारों की सहज उपलब्धता के कारण हिंसा आम होती जा रही है। कई देशों में तो शरणार्थियों या विदेशी प्रवासियों द्वारा योजनाबद्ध तरीके से हिंसा के हालात पैदा किया जा रहे हैं तो देशों के बीच युद्ध के हालातों के कारण भी हिंसा आम होती जा रही है। हिंसा का एक बड़ा कारण नई पीढ़ी में बढ़ता असंतोष है। जीवन शैली और रहन-सहन में बदलाव के कारण संवेदनशीलता और आपसी संबंध कहीं पीछे छूटते जा रहे हैं। मानसिकता कुंठित होती जा रही है। गलाकाट प्रतिस्पर्धा के कारण स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का स्थान कुंठा, संत्रास और मानसिक तनाव लेता जा रहा है और यह गुस्से के रुप में सामने आता है और यही कारण है कि मामूली से गाड़ी टच होने या साइड नहीं देने तक के कारण सामान्य वाद-विवाद एक दूसरे की जान के प्यासे होने तक पहुच जाता है। इसी तरह से अन्य देशों में शरणार्थी या अवैध निवास या अन्य कारणों से अब संगठित होकर माहौल खराब करना आम हो गया है। फ्रांस में आए दिन होने वाली घटनाएं इसका उदाहरण है। पिछले दिनों इस तरह की घटनाएं अमेरिका सहित दुनिया के बहुत से देशों में देखी गई है। राजनीतिक अस्थिरता की घटनाएं बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल में देखी जा सकती है तो पाकिस्तान और अफगानिस्तान में जो कुछ घटित हो रहा है वह सामने हैं। इजरायल और हम्मास के बीच आए दिन आक्रमण की खबरें आ रही हैं। इससे होता यह है कि देश में हिंसा के हालात अधिक बनते हैं।

यह भी साफ हो जाना चाहिए कि दुनिया के देशों में अपराध और अपराध के तरीकों में भी काफी बदलाव आया है। भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश साइबर ठगी के बढ़ते ग्राफ से दो-चार हो रहे हैं। ठग साइबर ठगी के नित नए रास्ते निकालते हैं। कभी कॉल करके तो कभी क्लोन बनाकर सीधे ही राशि हड़प जाते है। इसी तरह से अपराधियों ने डिजिटल अरेस्ट का नया ही रास्ता निकाला है और मजेदार बात यह है कि डिजिटल अरेस्ट के शिकार होने वाले साधारण आदमी ना होकर उच्च शिक्षित और संपन्न नागरिक हो रहे हैं। हालात यह हो रहे हैं कि अपराधी पढ़े लिखे लोगों को ही ना जाने क्या क्या कल्पित भय दिखाकर बड़ी राशि ठगने में सफल हो जाते हैं। इसी तरह से तकनीक का सहारा लेकर सेक्सटोर्सन आम होता जा रहा है। पैसों वाले लोगों इस तरह के ठग महिलाओं का गिरोह बनाकर आसानी से शिकार बना रहे हैं। दुनिया के लगभग सभी देशों में अपराधियों द्वारा तकनीक का ठगी में उपयोग आम होता जा रहा है। लाख प्रयासों के बावजूद इस पर अंकुश नहीं लगाया जा सका है। दरअसल अपराध के नए नए तरीकें सामने आते जा रहे हैं। हो यह रहा है कि अपराधियों की आरएण्डडी अधिक कारगर होती दिख रही है क्योंकि समग्र प्रयासों के बावजूद अपराध की कोई ना कोई नई तकनीक ले आते हैं। जब तक एक तरीके का तोड़ ढूंढा जाता है तब तक अपराध का नया तरीका सामने आ जाता है। ऐसे में दुनिया के देशों को हिंसा और अपराध पर अंकुश लगाने के लिए अपराधियों के पेरेलल आरएण्डडी सेल विकसित करनी होगी ताकि अपराध और हिंसा को कम किया जा सकें। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5901

संकेत: बाएं से दाएं

1. पश्चिमी अफ्रीका के इस देश में 6 मार्च के दिन स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है (2)
3. 1991 की इस फिल्म में पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहसिन खान ने अभिनय किया था (2)
4. शतरंज की एक चाल, किसी को भड़काने या उकसाने की क्रिया (2)
6. सिक्के बनाने का स्थल (4)
7. आशा, भरोसा (3)
8. सिंह, शेर, बाघ (3)
10. भारत के उत्तर प्रदेश के इस शहर से राजीव गांधी व सोनिया गांधी ने लोकसभा का प्रतिनिधित्व किया है (3)
12. पिता की माता को यह कहा जाता है (2)
13. मेघ से संबंधित एक नक्षत्र (2)
14. कामयाबी, मनोरथसिद्धि (4)
16. शरीर की लंबी हड्डी (3)
18. रिश्ता, संबंध (2)
20. निग्रह, दो की संख्या, मृत्युदेव (2)
21. आत्मबलिदान करना,आसक्त भाव (2)
22. ले आना, उपस्थित करना (2)
23. शतरंज की एक मोहर, अमात्य (3)

ऊपर से नीचे

1. घटने की अवस्था (2)
2. शरीर का एक संवेदी अंग (2)
3. पीड़ा उत्पन्न करना, गड़ना, चुभना (3)
4. पारसी परिवार में जन्मी अभिनेत्री का 6 मार्च 2018 को निधन हुआ (2)
5. सीमा निर्धारण, हद बांधने की क्रिया (4)
7. हृदय, छाती (2)
9. वह पत्र जिस पर कोई बात शपथपूर्वक लिखी गई हो (5)
10. राहत, चैन, सुख (3)
11. 6 मार्च 2018 को इस प्रदेश के 12 वें मुख्यमंत्री के रूप में कॉनराड संगमा ने शपथ ली (4)
12. दायक, देने वाला (2)
15. सुंदर स्त्री, कोमल कांड (2)
17. माता लक्ष्मी का एक नाम (2)
19. फैयाजी, दानशील, दयालु, विशाल हृदय (3)
21. 6 मार्च 2001 को 332 द्वीप वाले इस देश में महेंद्र चौधरी के खिलाफ पार्टी में विद्रोह की स्थिति बनी (4)

वर्ग पहेली 5900 का हल

भा	र	त	■	■	रा	जु	क
र	म	क	ना	■	म	का	नशु
वा	णी	■	दा	■	र	म	क
ह	क	■	न	मा	ज	■	■
क	■	स	■	या	■	शु	क्र
■	■	दा	न	व	गु	रू	■
त	मा	चा	■	ती	र	■	गा
ल	ह	र	ना	■	गा	ज	ना

पाकिस्तान विरोधी पॉल कपूर को ट्रंप ने दक्षिण एशिया का प्रभारी बनाकर इस्लामाबाद को झटका दे दिया

(नीरज कुमार दुबे)

अमेरिकी विदेश मंत्रालय में दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए भारतीय मूल के प्रोफेसर एस. पॉल कपूर की नियुक्ति न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि भारत के लिए एक बड़ी रणनीतिक राहत के रूप में देखी जा रही है। पॉल कपूर, जो लंबे समय से दक्षिण एशियाई सुरक्षा, परमाणु नीति और आतंकवाद पर अपने कठोर विश्लेषणों के लिए जाने जाते हैं, अब उस पद पर आसीन हुए हैं जहाँ से अमेरिका की भारत, पाकिस्तान, अफ़ग़ानिस्तान और बांग्लादेश के प्रति नीतियाँ तय होती हैं।

यह नियुक्ति ऐसे समय आई है जब अमेरिकी नीतियों में भारत के प्रति तनाव दिखने लगा था– विशेष रूप से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क और व्यापारिक मतभेदों के कारण। ऐसे में कपूर की नियुक्ति अमेरिका-भारत संबंधों के लिए 'कूटनीतिक मरहम' के रूप में मानी जा रही है।

कौन हैं पॉल कपूर और क्यों भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं? यदि इस पर चर्चा करें तो आपको बता दें कि नई दिल्ली में जन्मे पॉल कपूर भारतीय पिता और अमेरिकी माता के पुत्र हैं। उन्होंने शिकागो विश्वविद्यालय से पीएचडी की है और लंबे समय से अमेरिकी नौसेना के पोस्टग्रेजुएट स्कूल तथा स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के हूवर इंस्टीट्यूशन से जुड़े हुए हैं। वह उन कुछ विद्वानों में से हैं जिन्होंने दक्षिण एशिया की सामरिक राजनीति पर गहरी अकादमिक और व्यावहारिक समझ बनाई है। पाकिस्तान की नीतियों को उन्होंने ÷राज्य प्रायोजित उग्रवाद÷ कहा है, न कि अस्थिरता की परिणति। यह दृष्टिकोण अमेरिका के भीतर पाकिस्तान के प्रति एक कठोर रुख की वकालत करता है। कपूर का यह विश्लेषण भारत के लिए राहतकारी है, क्योंकि अब दक्षिण एशिया मामलों में निर्णय-प्रक्रिया ऐसे व्यक्ति के हाथों में है जो पाकिस्तान की ÷दोहरी नीति÷ को अच्छी तरह समझते हैं।

इससे पहले कपूर ट्रम्प प्रशासन के नीति नियोजन विभाग में काम कर चुके हैं, जहाँ उन्होंने ÷इंडो-पैसिफिक रणनीति÷ के निर्माण में भूमिका निभाई थी। यानी वह न केवल एक अकादमिक हैं, बल्कि नीति-निर्माण की मशीनरी से भी भली-भाँति परिचित हैं। उनकी नियुक्ति से यह स्पष्ट संकेत जाता है कि अमेरिका अब दक्षिण एशिया को केवल पाकिस्तान या अफगानिस्तान के संदर्भ में नहीं, बल्कि भारत-केंद्रित दृष्टि से देखना चाहता है।

कपूर की नियुक्ति भारत के लिए राहत क्यों है? यदि इस पर चर्चा करें तो हमें यह देखना होगा कि पॉल कपूर का विचार है कि पाकिस्तान का आतंकवादी ढाँचा कोई आकस्मिक तत्व नहीं, बल्कि उसकी ÷राष्ट्रीय रणनीति÷ का अभिन्न हिस्सा है। इसका सीधा अर्थ है कि वे अमेरिका के भीतर पाकिस्तान के प्रति किसी ÷नरमी÷ के पक्षधर नहीं हैं। उनकी सोच के अनुसार, जब तक इस्लामाबाद आतंकवाद को नीतिगत औज़ार के रूप में इस्तेमाल करता रहेगा, तब तक दक्षिण एशिया में स्थायी शांति असंभव है।

भारत के दृष्टिकोण से यह अत्यंत अनुकूल है, क्योंकि बीते वर्षों में अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में कई बार ऐसे संकेत मिले थे कि वॉशिंगटन इस्लामाबाद को फिर से रणनीतिक महत्व देने लगा है–खासकर अफगान मोर्चे पर। कपूर की उपस्थिति इस संतुलन को भारत की ओर झुका सकती है।

दूसरी ओर, 21 अमेरिकी सांसदों ने राष्ट्रपति ट्रम्प को पत्र लिखकर भारत के साथ संबंध सुधारने की खुली वकालत की है। यह पत्र ऐसे समय आया है जब अमेरिकी व्यापार नीतियों से दोनों देशों के बीच मतभेद गहराते जा रहे हैं। इन सांसदों में भारतीय मूल के रो खन्ना, प्रमिला जयपाल, राजा कृष्णमूर्ति, श्री थानेदार और सुहास सुब्रमण्यम जैसे नेता शामिल हैं, जो अमेरिकी राजनीति में 'सामोसा कॉकस' के रूप में जाने जाते हैं।

आज का राशिफल

मेष

आज जीवन साथी का सहयोग और सानिध्य प्राप्त होगा। मेष राशि के जातकों का राशि का स्वामी मंगल-पापग्रहों की संगति में है। आज के दिन कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला आपको सीखनी पड़ेगी। पंचम भाव दूषित होने के कारण संतान पक्ष से निराशाजनक समाचार मिल सकता है।

वृष

आज का दिन संतोष और शान्ति का है। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। नये अनुबंधों के द्वारा पद, प्रतिष्ठ में वृद्धि होगी। माता लक्ष्मी को कमल का फूल जरूर चढ़ाएँ। रात्रि में कुछ अप्रिय व्यक्तियों से मिलने से अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। संतान पक्ष से कुछ राहत मिलेगी।

मिथुन

आज मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बना रहेगा। माँ लक्ष्मी की आराधना से आपके के सभी कार्य बनेंगे। इस दौरान संतान की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में आशातीत सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा। सांय काल में कोई रुका कार्य पूरा होगा।

कर्क

आज उत्तम संपत्ति का संकेत कर रहा है। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है। यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद व लाभदायक रहेगी। सांयकाल से लेकर रात्रि तक प्रिय व्यक्तियों का दर्शन व सुसमाचार मिलेगा। घर में मांगलिक कार्य होंगे।

सिंह

आज आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगा। लक्ष्मीपूजन के दिन विशेष पूजा करने से लाभ मिलेगा। सूर्य के कारण अधिक भागदौड़ और नेत्र विकार होने की संभावना है। शत्रु आपस में लड़कर ही नष्ट हो जाएंगे।

कन्या

आज का दिन सुख की वृद्धि कर रहा है, आज लक्ष्मीपूजन के दिन भर व्यस्तता रहेगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा। दोपहर बाद कुटुंबजनों से मुलाकात पर हर्षित होंगे और आपके लिए खुशी का कारण बन सकती है। शुभ खर्चा व कीर्ति की वृद्धि होगी।

तुला

आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी। सभी परिवारजन माँ भगवती की आरधना करेंगे। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में धन हाथ में आ जाने का सुख मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा। पास व दूर की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा। प्रणय सम्बन्ध प्रगाढ़ता की ओर बढ़ेंगे।

धनु

आज आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है। सायंकाल से लेकर रात्रिपर्यन्त सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के अवसर प्राप्त होंगे।

कुंभ

आज आपके स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। राशि का स्वामी शनि अब मार्गी चल रहा है। अत: निर्मूल विवाद अकारण शत्रुपत्ति, अपनी बुद्धि द्वारा किए कार्यों में ही हानि और निराशता कारक है। कोई विपरीत समाचार सुनकर अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है। इसलिए सावधान रहें और झगड़े/विवाद से बचें।

वृश्चिक

आनंदमय वातावरण निर्मित होगा। फलस्वरूप कुछ आन्तरिक विकार जैसे-वायु-मूत्र-रक्त, आज कुछ ज्यादा ही भागदौड़ होगी। पूरा दिन पूजा पाठ में निकल जाएगा। परिवार के साथ जड़ जमा रहे हैं। आज का दिन इस सबकी जांच कराने और किसी अच्छे डॉक्टर इस विषय में सलाह मशविरा करने में व्यतीत करें।

मकर

आज पारिवारिक व आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा। सांयकाल के समय किसी झगड़े विवाद में न पड़ें। रात्रि में प्रिय अतिथियों के स्वागत का योग बना रहेगा। माता-पिता का विशेष ध्यान रखें।

मीन

आज का दिन पुत्र, पुत्री की चिंता तथा उनके कामों में व्यतीत होगा। दांपत्य जीवन में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। बहनोई और साले से आज लेन-देन न करें सम्बन्ध खराब होने का खतरा है। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा और पुण्य कार्यों पर खर्चा हो सकता है। यात्रा में सावधान अवश्य रहें। बृहस्पति का त्रिकोण योग मूल्यवान वस्तुएं चोरी करा सकता है।

अशोक लेलैंड की बिक्री अक्टूबर में 16 प्रतिशत बढ़कर 17,820 यूनिट हो गई

मुंबई, एजेंसी। कॉमर्शियल गाडियों की मैन्युफैक्चरिंग कंपनी अशोक लेलैंड की कुल बिक्री अक्टूबर में 16 प्रतिशत बढ़कर 17,820 यूनिट हो गई। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में 15,310 यूनिट्स बेची थीं। अशोक लेलैंड ने एक बयान में कहा कि अक्टूबर 2025 में कंपनी की घरेलू बिक्री 16 प्रतिशत बढ़कर 16,314 इकाई हो गई, जो अक्टूबर 2024 में 14,067 इकाई थीं। कंपनी में कहा गया कि अक्टूबर 2025 में घरेलू बाजार में मध्यम और भारी गाडियों की बिक्री 9,611 यूनिट रही, जो पिछले साल इसी महीने में 8,437 इकाई थी। इसके बिजनेस अपडेट के सामने आने के बाद अब सोमवार को शेयर फोकस में रहेंगे। बता दें, इसी साल कंपनी ने बोनस शेयर दिया था। अशोक लेलैंड लिमिटेड के शेयर इसी साल जुलाई के महीने में एक्स-बोनस ट्रेड किए थे। तब कंपनी ने एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया था। कंपनी मई के महीने में एक्स-डिविडेंड ट्रेड किया था। कंपनी एक शेयर पर 4.25 रुपये का डिविडेंड दिया था। शुक्रवार को मार्केट क्लोजिंग के टाइम पर स्टॉक 0.53 प्रतिशत की तेजी के साथ 141.45 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बीते 3 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 16 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, इस साल कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को अबतक करीब 27 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बता दें, एक साल में अशोक लेलैंड के शेयरों का भाव करीब 36 प्रतिशत चढ़ा है। 5 साल में कंपनी के शेयरों का भाव 258 प्रतिशत बढ़ा है।

अशोक लेलैंड को तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट से 1937 बस का ऑर्डर मिला है। कंपनी को यह ऑर्डर 13 जुलाई को मिला था। अशोक लेलैंड को बीएस-6 डीजल गाड़ी बनाने का काम मिला था। इस वर्क ऑर्डर की कुल वैल्यू 668.76 करोड़ रुपये है।

बोट, फिजिक्सवाला सहित 5 धाकड़ कंपनियां आईपीओ की कतार में

मुंबई, एजेंसी। एक बार फिर से प्राइमरी मार्केट में नई कंपनियां दस्तक देने जा रही हैं। करीब 76,000 करोड़ का आईपीओ आने वाले समय में आने जा रहा है। जिन कंपनियों के आईपीओ का इंतजार निवेशकों को है उसमें ग्रो, पाइन लैब्स और फिजिक्स वाला शामिल है। बता दें, अक्टूबर के महीने में बाजार का सेंटीमेंट अच्छा रहा है। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी में 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कौन से हैं 5 कंपनियों के आईपीओ यह आईपीओ निवेशकों के लिए 7 नवंबर को खुल जाएगा। निवेशकों के पास 11 नवंबर तक आईपीओ पर दांव लगाने का मौका रहेगा। पाइन लैब्स आईपीओ का साइज 2080 करोड़ रुपये है। कंपनी ऑफर फार सेल के जरिए 8.23 करोड़ शेयर जारी करेगी। यह आईपीओ प्राइमरी मार्केट कैप 4 नवंबर को खुलेगा। निवेशकों के पास 7 नवंबर तक आईपीओ पर दांव लगाने का मौका होगा। आईपीओ के जरिए कंपनी 6632.20 करोड़ रुपये जुटाने का प्रयास करेगी। आईपीओ में फ्रेश शेयर और ऑफर फार सेल पर आधारित है। इस कंपनी का आईपीओ नवंबर में दस्तक दे सकता है।

बोट को आईपीओ के लिए सेबी से अप्रूवल मिला था। आईपीओ में 1200 करोड़ रुपये का फ्रेश शेयर और ऑफर फार सेल के तहत भी स्टॉक शामिल रहेंगे। अलख पाण्डेय की अगुवाई वाली कंपनी का आईपीओ भी जल्द आ सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के आईपीओ का साइज 3820 करोड़ रुपये के आस-पास हो सकता है। देश की सबसे म्यूचुअल फंड कंपनी भी आईपीओ लाने पर विचार कर रही है। नवंबर में आईपीओ आ सकता है। कंपनी के आईपीओ का साइज 10,000 करोड़ रुपये हो सकता है। बता दें, इस कंपनी में आईसीआईसीआई बैंक की हिस्सेदारी 51 प्रतिशत की है।

अक्टूबर में जीएसटी संग्रह 1.95 लाख करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी।
जीएसटी संग्रह में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस साल अक्तूबर में कुल जीएसटी संग्रह करीब 1.95 लाख करोड़ रुपये रहा। वहीं पिछले साल इसी महीने यह 1.87 लाख करोड़ रुपये था।

आंकड़ों के मुताबिक, अक्तूबर महीने में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी), राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) सभी में वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि उपकर (सेस) संग्रह में गिरावट आई है।

सात महीनों में नौ प्रतिशत की हुई वृद्धिः वित्त वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्तूबर) में कुल जीएसटी संग्रह में 9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद से सबसे अधिक है।

वित्त वर्ष 2025 में 22.08 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड सकल संग्रहः भारत की जीएसटी प्रणाली ने 2024-25 में 22.08 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड सकल संग्रह के साथ एक प्रमुख उपलब्धि हासिल की है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 9.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। औसत मासिक जीएसटी संग्रह 1.84 लाख करोड़ रुपये रहा, जो 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद से सबसे अधिक है।

जीएसटी राजस्व में हुई 0.2 प्रतिशत की वृद्धिः सकल घरेलू राजस्व, जो स्थानीय बिक्री का संकेत है, अक्तूबर में 2 प्रतिशत बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयात कर लगभग 13 प्रतिशत बढ़कर 50,884 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, जीएसटी रिफंड भी साल-दर-साल 39.6 प्रतिशत बढ़कर 26,934 करोड़ रुपये हो गया। वहीं शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.69 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। पिछले कुछ वर्षों में जीएसटी संग्रह में लगातार वृद्धि हुई है, जो 2020-21 में 11.37 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 20.18 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो मजबूत आर्थिक गतिविधि और बेहतर अनुपालन को दर्शाता है। हालिया जीएसटी संग्रह भारत की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक दिशा को दर्शाता है। जीएसटी नीति का मार्गदर्शन करने के लिए संविधान के तहत गठित जीएसटी परिषद ने इस प्रणाली को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसकी अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री करते हैं और इसमें राज्यों के वित्त मंत्री और अन्य प्रमुख अधिकारी शामिल होते हैं। 2016 में अपने गठन के बाद से परिषद ने 55 बैठकें की हैं, जिनमें जीएसटी प्रणाली को सरल और अधिक व्यापार-अनुकूल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने विश्वास और जिम्मेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

मुंबई, एजेंसी। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने अपने 27,500 कर्मचारियों को भेजे एक ईमेल में कहा कि कंपनी को भारत की समृद्ध विरासत, अटूट मूल्यों और परंपराओं से जुड़ा होने पर बहुत गर्व है।

÷हाल ही में सोशल मीडिया पर हुई चर्चाओं ने लोगों के मन में कई भावनात्मक प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न की हैं, जिन्हें हम पूरी तरह समझते और सम्मान करते हैं। हालांकि,कुछ ऑनलाइन पोस्ट्स में हमारे एक पुराने मार्केटिंग अभियान के उद्देश्य और संदर्भ को अधूरे या भ्रामक रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिससे हमारे वास्तविक मूल्यों और सिद्धांतों की गलत छवि उभर कर आई है÷ कंपनी ने अपने कर्मचारियों को लिखे ईमेल में कहा ।

कुछ मानहानिकारक सोशल मीडिया पोस्टों में कंपनी के सोशल मीडिया अभियान को लेकर विभिन्न दावे किए गए थे। बॉम्बे हाई कोर्ट ने मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स को अंतरिम राहत प्रदान की और ऐसे सभी पोस्ट्स , सामग्रियों और कहानियों को हटाने का निर्देश दिया।

कंपनी ने कहा की एक भारतीय ब्रांड के रूप में,मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स संवेदनशीलता, पारदर्शिता और सम्मान के साथ कार्य करना अपना नैतिक जिम्मेदारी मानता है। ÷एक थर्ड पार्टी वेंडर ने पूर्व में हमारी ओर से एक सहयोग किया था। जैसे ही हमें पता चला कि वह सहयोग हमारे ब्रांड मूल्यों के अनुरूप नहीं है, हमने तुरंत उस वेंडर के साथ साझेदारी समाप्त कर दी।÷

कंपनी ने कहा की मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की यात्रा हमेशा भारत की कहानी का उत्सव रही है, एक ऐसी कहानी जो कारीगरी, ईमानदारी और विविधता के सम्मान से जुड़ी है। भारतीय होना केवल हमारे उत्पादों या उपस्थिति में ही नहीं, बल्कि हमारे विचार और नैतिक दृष्टिकोण में भी झलकता है। हमारे निर्णय सिद्धांतों पर आधारित होते हैं,किसी भी पूर्वाग्रह पर नहीं,और हम अपने हितधारकों द्वारा व्यक्त सभी विचारो का गहरा सम्मान करते हैं।

÷हम अपनी जवाबदेही, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और जनविश्वास के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करते हैं। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स आगे भी स्पष्टता के साथ संवाद करेगा, जिम्मेदारी से कार्य करेगा, और उन मूल्यों को बनाए रखेगा जिन्होंने हमारे ब्रांड की पहचान को आरंभ से ही परिभाषित किया है।÷ कंपनी ने अपने कर्मचारियों को लिखे ईमेल में कहा। साल 1993 में स्थापित मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की 15 व्यावसायिक इकाइयाँ हैं और 27,500 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का कारोबार 7.36 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। यह दुनिया की पाँचवीं सबसे ज्वेलरी रिटेलर कंपनी है। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के 14 देशों में 410 से अधिक रिटेल शोरूम हैं और भारत के 20 से ज्यादा राज्यों में इसके संचालन हैं।

द वेल्थ कंपनी के भारत वैल्यू फंड सीरीज़ ने

देशभर में नेट-ज़ीरो रियल एस्टेट विकसित करने के लिए बूट्स के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली एजेंसी। भारत के रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र को नई दिशा देने वाले एक ऐतिहासिक कदम में, वेल्थ कंपनी एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा शुरू किए गए 2000 करोड़ रुपये के श्रेणी सेकंड एआईएफ, भारत भूमि फंड ने भारत की पहली नेट-ज़ीरो इंजीनियरिंग कंपनी, बूट्स के साथ एक रणनीतिक गठबंधन किया है। यह साझेदारी जिम्मेदार पूंजी और टिकाऊ नवाचार को एक साथ लाती है, जो भारत भूमि फंड के 2,000 करोड़ के निवेश दृष्टिकोण को बूट्स की जलवायु-स्मार्ट और ऑफ-ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग विशेषज्ञता के साथ जोड़ती है।

इस वर्ष की शुरुआत में लॉन्च किया गया भारत भूमि फंड भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में स्थायी और दीर्घकालिक परिसंपत्तियाँ बनाने पर केंद्रित है। यह फंड नेट-ज़ीरो, उच्च-रिटर्न देने वाली रियल एस्टेट परियोजनाओं के निर्माण के लिए समर्पित है, जो ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण और कार्बन कमी में ठोस और साफ नजर आने योग्य प्रभाव डालेंगी।

इस साझेदारी के तहत, बूट्स और भारत भूमि फंड संयुक्त रूप से देश के उभरते उच्च-विकास

वाले क्षेत्रों में नई पीढ़ी की परियोजनाओं की पहचान, डिजाइन और क्रियान्वयन करेंगे – जिनमें नेट-ज़ीरो प्लॉटेड डेवेलपमेंट्स, लग्ज़री विला कम्युनिटीज़ और मिश्रित-उपयोग वाली स्मार्ट टाउनशिप्स शामिल होंगी। प्रत्येक परियोजना संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुरूप होगी और इनमें नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियाँ, हाइड्रोनिक कूलिंग और ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज (जेडएलडी) जल पुनर्चक्रण जैसी उन्नत तकनीकें शामिल होंगी।

प्रमुख ईपीसी भागीदार पार्टनर के रूप में, बूट्स इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन का नेतृत्व करेगा तथा नवीकरणीय ऊर्जा और जल प्रबंधन जैसी मूलभूत अवसंरचना प्रणालियों में सह-निवेश करेगा।

भारत भूमि फंड सिर्फ एक वित्तीय माध्यम नहीं है

वेल्थ कंपनी एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के भारत भूमि फंड के मैनेजिंग पार्टनर, श्री राकेश कुमार ने कहा, भारत भूमि फंड सिर्फ एक वित्तीय माध्यम नहीं है, यह हरित परिवर्तन का प्रेरक है। बूट्स के साथ साझेदारी के ज़रिए हम जिम्मेदार पूंजी और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता को जोड़कर ऐसी परिसंपत्तियाँ बना रहे हैं जो न केवल बेहतर रिटर्न देंगी बल्कि भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र में स्थिरता के नए मानक स्थापित करेंगी। बूट्स के फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री दीपक राय ने कहा, यह साझेदारी भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास का एक नया मॉडल पेश करती है, जहाँ हर निर्मित वर्ग फुट आर्थिक और पर्यावरणीय – दोनों दृष्टि से मूल्य पैदा करता है। भारत भूमि फंड के साथ मिलकर हम यह साबित कर रहे हैं कि टिकाऊ निर्माण न केवल संभव है, बल्कि लाभदायक भी है। यह भारत को नेट-ज़ीरो और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों के और करीब ले जाएगा।

1 शेयर पर 130 रुपये का डिविडेंड दे रही है कंपनी

मुंबई, एजेंसी।
डिविडेंड देने वाली कंपनियों के शेयरों पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए गुड न्यूज है। ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड ने डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी की तरफ से 130 रुपये का भारी भरकम डिविडेंड देने का फैसला किया गया है। जिसके लिए तय रिकॉर्ड डेट अगले कुछ दिन में ही है।

शेयर बाजारों को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 130 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 3 नवंबर 2025, दिन सोमवार को रिकॉर्ड डेट घोषित किया है। यानी जिन निवेशकों का नाम इस दिन कंपनी के रिकॉर्ड बुक में रहेगा उन्हें डिविडेंड का लाभ मिलेगा।

उन कंपनियों में से एक है। जिन्होंने निवेशकों को लगातार डिविडेंड दिया है। इसी साल कंपनी मई के महीने में एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी ने एक शेयर पर 265 रुपये का डिविडेंड दिया था। बता दें, 2024 में कंपनी की तरफ से हर शेयर पर 240 रुपये का डिविडेंड दिया गया था। शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड का शेयर 1.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8514.30 रुपये के लेवल पर बंद हुआ

था। इस साल अबतक कंपनी के शेयरों की कीमतों में 32 प्रतिशत की गिरावट की है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 21.81 प्रतिशत टूटा है। कंपनी का 52 वीक हाई 13203.60 रुपये है। कंपनी का 52 वीक लो लेवल 7057.70 रुपये है। इस कंपनी का मार्केट कैप 74,079.29 करोड़ रुपये का है। 2 साल में ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 119 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 5 साल में कंपनी ने पोजीशन निवेशकों को 170 प्रतिशत का फायदा हुआ है।

187 तक जा सकता है अडानी का शेयर, ब्रोकरेज ने कहा- मजबूत है कंपनी का आउटलुक

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह की कंपनी अडानी पावर के शेयर शुक्रवार को बिकवाली मोड में थे लेकिन इसको लेकर ब्रोकरेज बुलिश हैं। दरअसल, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने शेयर का टारगेट प्राइस रिवाइज कर दिया है। ब्रोकरेज ने टारगेट प्राइस को 134 रुपये से बढ़ाकर 187 रुपये कर दिया है। बता दें कि अभी शेयर की कीमत 157.90 रुपये है। यह शुक्रवार को एक दिन पहले के मुकाबले 2.83 प्रतिशत टूटकर बंद हुआ। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 182.75 रुपये है। वहीं, 52 हफ्ते का लो 86.17 रुपये है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने कहा कि आकर्षक टैरिफ पर बिजली खरीद समझौते (पीपीए) हुए हैं और कोयला पीपीए का आउटलुक मजबूत बना हुआ है। ब्रोकरेज के मुताबिक अडानी पावर ने अपनी निर्माणाधीन क्षमता को दोगुना (25 गीगावाट बनाम पहले 12 गीगावाट) बढ़ा दिया है। इसने आकर्षक टैरिफ पर 11 गीगावाट (असम में 2.4 गीगावाट की पहली बिजली खरीद परियोजना सहित) का बिजली खरीद समझौता किया है। इसके अलावा, यह अपने प्रतिस्पर्धियों से आगे है क्योंकि इसने अपने पूरे निर्माणाधीन पोर्टफोलियो के लिए बीटीजी ऑर्डर पहले ही दे दिए हैं। हमें उम्मीद है कि शेष पोर्टफोलियो का एक बड़ा हिस्सा अगले 12-18 महीनों में दीर्घकालिक पीपीए के तहत तय हो जाएगा। तिमाही के दौरान, अडानी पावर ने 24 यूनिट बिजली बेची, जो साल-दर-साल 7 प्रतिशत अधिक है।

करोड़ों किसानों के लिए खुशखबरी

जल्द आएगी पीएम किसान की 21वीं किस्त

मुंबई, एजेंसी। देशभर के किसानों के लिए राहत भरी खबर जल्द ही आ सकती है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त का इंतजार अब अपने अंतिम चरण में है। अक्टूबर माह बीत चुका है और नवंबर की शुरुआत के साथ ही किसानों के मन में यह सवाल तेज हो गया है कि 2,000 रुपये की अगली किस्त उनके खातों में कब तक पहुंचेगी। पहले यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि छठ पूजा के बाद राशि जारी हो सकती है, लेकिन अब तक केंद्र सरकार की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

पहले सप्ताह में आ सकती है 21वीं किस्तः लेटेस्ट मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सरकार नवंबर 2025 के पहले सप्ताह में 21वीं किस्त जारी कर सकती है। इससे किसानों की उम्मीदें एक बार फिर बढ़ गई हैं कि जल्द ही

उनके बैंक खातों में यह राशि पहुंच जाएगी। उल्लेखनीय है कि पिछली कई किस्तों में सरकार ने निर्धारित समयसीमा के भीतर ही धनराशि हस्तांतरित की थी। ऐसे में नवंबर की शुरुआत किसानों के लिए खुशखबरी लेकर आ सकती है।

किस्त पाने के लिए ई-केवाईसी जरूरीः प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत केवल वे ही किसान लाभ प्राप्त कर सकते हैं, जिन्होंने ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी कर ली है। जिन किसानों ने अब तक यह प्रक्रिया नहीं की है, उनकी किस्त रोक दी जाती है। इसलिए सरकार ने सभी लाभार्थियों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द अपना ई-केवाईसी पूरा करें, ताकि राशि ट्रांसफर में कोई बाधा न आए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत वर्ष 2019 में हुई थी। इस योजना के तहत केंद्र सरकार देश के योग्य किसानों को हर साल 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करती है, जिसे तीन समान किस्तों में (प्रत्येक 2,000 रुपये) सीधे बैंक खातों में ट्रांसफर किया जाता है। कुल मिलाकर, यदि सब कुछ तय योजना के अनुसार हुआ, तो नवंबर के पहले सप्ताह में किसानों के खातों में 21वीं किस्त की राशि पहुंच सकती है, जिससे फसलों की बुवाई और कृषि कार्यों में बड़ी राहत मिलेगी।

अमेरिका का यह प्रस्ताव बेहद खतरनाक...

रघुराम राजन की भारत को बड़ी चेतावनी

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर और प्रसिद्ध अर्थशास्त्री रघुराम राजन ने अमेरिका में प्रस्तावित हेयर एक्ट को लेकर गंभीर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि यह प्रस्तावित कानून भारत की सेवा निर्यात और ग्लोबल टैलेंट आपूर्ति श्रृंखला के लिए एच-1बी वीजा शुल्क में हाल ही में हुई 1 लाख डॉलर की वृद्धि से कहीं अधिक गंभीर खतरा बन सकता है। राजन ने अमेरिकी मीडिया प्लेटफॉर्म ष्ठद्गयशस्त्रद्गह्ल को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि जबकि एच-1बी वीजा शुल्क बढ़ोतरी से केवल अल्पकालिक झटका लग सकता है, लेकिन हेयर अधिनियम के जरिये अमेरिका अगर आउटसोर्स की गई सेवाओं पर टैरिफ लगाना शुरू करता है, तो

इसका असर लंबे समय तक रह सकता है।

राजन ने कहा, हमारी सबसे बड़ी चिंता वस्तुओं पर लगने वाले टैरिफ से नहीं, बल्कि सेवाओं पर टैरिफ लगाए जाने की संभावना से है। यह एक वास्तविक खतरा है। अमेरिकी कांग्रेस में हेयर अधिनियम पर चर्चा चल रही है, जिसका उद्देश्य आउटसोर्स सेवाओं पर टैरिफ लगाना है। यह कैसे लागू किया जाएगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन अगर टैरिफ धीरे-धीरे वस्तुओं से आगे बढ़कर सेवाओं और एच-1बी वीज़ा धारकों तक पहुंच गए, तो यह भारत के लिए बहुत बड़ी चिंता का विषय होगा। पूर्व आरबीआई गवर्नर ने यह भी कहा कि भारत पहले ही अमेरिका के रिकॉर्ड स्तर के 50 प्रतिशत टैरिफ से प्रभावित है, जो चीन के 47 प्रतिशत टैरिफ से भी अधिक है। उन्होंने कहा, यह भारत के कुछ प्रमुख उद्योगों (विशेषकर टेक्सटाइल (वस्त्र)) के लिए बड़ी समस्या है। अमेरिका के त्योहार सीजन में हमारी सप्लाई प्रभावित हो रही है। आगे जाकर हमें यह नहीं होने देना चाहिए कि जिन आपूर्ति श्रृंखलाओं को हमने वर्षों में बनाया है, वे स्थायी रूप से बाधित हो जाएं। राजन ने भारत सरकार से अपील की कि वह अमेरिका के साथ जारी वार्ताओं में टैरिफ स्तर घटाने पर जोर दे। उन्होंने कहा, यह बेहद जरूरी है कि भारत के टैरिफ जल्दी से जल्दी कम किए जाएं, खासकर उन क्षेत्रों में जहां हमारी श्रम-प्रधान उद्योगों ने अमेरिकी बाजार में अच्छी पकड़ बनाई है। अगर इन पर ऊंचे टैरिफ लागू रहे, तो हमारी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त को नुकसान होगा। एच-1बी वीजा शुल्क वृद्धि पर बोलते हुए राजन ने कहा कि इसका असर उतना गंभीर नहीं होगा जितना शुरू में अनुमान लगाया जा रहा था। उन्होंने कहा, समय के साथ भारतीय कंपनियों की एच-1बी वीज़ा पर निर्भरता कम होती जा रही है, क्योंकि अब बहुत कुछ वर्चुअल नेटवर्क्स के माध्यम से किया जा सकता है, बिना किसी व्यक्ति की भौतिक उपस्थिति के। राजन ने आगे कहा कि नए शुल्क मौजूदा एच-1बी वीजा धारकों या स्टेम विषयों के ग्रेजुएट्स पर लागू नहीं होंगे। कंपनियां अपनी भर्ती रणनीति में बदलाव कर सकती हैं। उन्होंने बताया, भारतीय कंपनियां अब अमेरिका में पढ़े छात्रों को वहीं से भर्ती कर सकती हैं।

खुलने से पहले ही 60 प्रीमियम पर पहुंचा जीएमपी, दिग्गज कंपनी का आ रहा आईपीओ

मुंबई, एजेंसी। अगर आप आईपीओ मार्केट में पैसे लगाने में दिलचस्पी रखते हैं तो आपके लिए काम की खबर है। अगले सप्ताह एक और आईपीओ निवेश के लिए ओपन हो रहा है। भारतीय फिनटेक कंपनी पाइन लैब्स का आईपीओ 7 नवंबर से 11 नवंबर के बीच खुलने जा रहा है। यह इश्यू भारतीय बाजार में इस समय चल रही आईपीओ की लहर में शामिल होगा। कंपनी पॉइंट-ऑफ-सेल टर्मिनल्स जैसी पेमेंट सॉल्यूशंस प्रदान करती है और पेटीएम और वॉलमार्ट-स्वामित्व वाली फोन पे जैसी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करती है। ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर ?60 प्रीमियम पर उपलब्ध हैं। बता दें कि भारतीय फिनटेक कंपनी पाइन लैब्स ने अपने आईपीओ का साइज घटा दिया है। कंपनी ने मौजूदा निवेशकों द्वारा बेचे जाने वाले शेयरों की संख्या में 44 प्रतिशत की कटौती की है, जबकि नए शेयरों के जरिए जुटाई जाने वाली पूंजी में 20 प्रतिशत की कमी की गई है। यह जानकारी कंपनी की 31 अक्टूबर को दाखिल की गई अपडेटेड प्रॉस्पेक्टस से सामने आई है। प्रॉस्पेक्टस के अनुसार, मौजूदा निवेशक जैसे कि पीक एक्सवी पार्टनर्स, पेपल और मास्टरकार्ड अब कुल 8.23 करोड़ शेयर बेचेंगे, जबकि जून में दायर ड्राफ्ट प्रॉस्पेक्टस के अनुसार यह संख्या 14.78 करोड़ शेयर थी। इसके अलावा, कंपनी अब नए शेयरों की बिक्री के जरिए लगभग 2,080 करोड़ रुपये (236.65 मिलियन डॉलर) जुटाएगी, जो कि जून में प्रस्तावित 2,600 करोड़ रुपये (295.81 मिलियन डॉलर) से कम है। भारतीय नियमानुसार, कंपनियां ड्राफ्ट फाइलिंग के बाद अपने आईपीओ के आकार में कुछ हद तक बदलाव कर सकती हैं।

टेक्नोलाजी की मदद से करें स्मार्ट पढ़ाई

स्मार्ट पढ़ाई करने के लिए आप को किताबों की जरूरत नहीं है। बिना किताबों के भी अब आप अपनी पढ़ाई को जारी रख सकते हैं। स्मार्ट पढ़ाई करने में टेक्नोलाजी आप की पूरी मदद करेगी।

स्मार्ट पढ़ाई करने के लिए आप को किताबों की जरूरत नहीं है। बिना किताबों के भी अब आप अपनी पढ़ाई को जारी रख सकते हैं। स्मार्ट पढ़ाई करने में टेक्नोलाजी आप की पूरी मदद करेगी। नौकरी सर्च करनी हो, पढ़ाई करनी हो ऐसी सैंकड़ों ऐप्लीकेशन मौजूद हैं जो आपकी मदद कर सकते हैं। कम्पीटीटिव एग्जाम वाली ऐप्लिकेशन्स को गूगल प्ले स्टोर या एंड्रॉयड मार्केट से फ्री में डाउनलोड कर आप कभी भी पढ़ाई कर सकते हैं।

इंडिया जीके क्वेशचन

हर कंपटीशन में देश से जुड़े जनरल नॉलेज के सवाल पूछे जाते हैं। गवर्नमेंट एग्जाम में जनरल नॉलेज महत्वपूर्ण सेक्शन होता है। इसलिए बेहतर तैयारी के लिए बनाई गई है इंडिया जीके क्वेश्चन ऐप्लिकेशन। इस ऐप की खासियत है कि इसमें इतिहास, भूगोल, विज्ञान, संविधान और सामान्य ज्ञान के सवालों का क्वेश्चन बैंक है। इन्हें सॉल्व कर छात्र परीक्षा के लिए अपनी प्रैक्टिस करते हैं। इस ऐप्लिकेशन में भारत के इतिहास, भूगोल, विज्ञान, संविधान से जुड़े सवालों की पूरी जानकारी दी गई है।

ऑफलाइन डिक्शनरी ऐप

अंग्रेजी पर पकड़ बनाये बिना आप कोई भी कंपटीशन नहीं जीत सकते हैं। ज्यादातर छात्रों को अंग्रेजी में समस्या होती है लेकिन अब उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। कई ऐसी ऐप स्मार्टफोन पर मौजूद हैं जिनसे छात्र न सिर्फ अपनी भाषा सुधार सकते हैं बल्कि अंग्रेजी शब्दों का कोष भी बना सकते हैं। हिन्दी से इंग्लिश और इंग्लिश से हिन्दी ट्रांसलेशन के लिए कई ऑफलाइन ऐप्लिकेशन मौजूद हैं। ऑक्सफोर्ड और ब्रिटिश डिक्शनरी ऐप भी मौजूद हैं जहां आप आसानी से अंग्रेजी भाषा पर अपनी पकड़ बना सकते हैं।

ऐप्टीट्यूट रीजनिंग ट्रिक्स

रीजनिंग प्रतियोगी परीक्षाओं में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण टॉपिक होता है। अगर आप को ट्रिक पता है तो रीजनिंग के सवाल काफी कम समय में आसानी से सॉल्व हो जाते हैं। ट्रिक पता न होने पर यह सबसे ज्यादा टाइमटेकिंग होते हैं जो आप का मूड चकरा कर रख देंगे। ऐप्टीट्यूट रीजनिंग ट्रिक्स ऐप में रीजनिंग के सवालों को हल करने के लिए काफी आसान ट्रिक्स बताए गए हैं। इस ऐप में दिए गए शॉर्टकट ट्रिक्स के जरिए छात्र प्रतिदिन सवालों को सॉल्व करने की ढेरों ट्रिक सीख सकते हैं। जिन्हें सीखने के बाद आप आसानी से कंपटीशन को क्रेक कर सकते हैं।

डेली जीके हिंदी

डेली जीके हिंदी ऐप के जरिए दुनियाभर में होने वाली घटनाओं की जानकारी दी जाती है। यह ऐप काफी हद तक किसी न्यूज वेबसाइट की तरह काम करती है। इसमें मनोरंजन, राजनीति, विज्ञान, भूगोल और गणित जैसे कई सवालों के विकल्प मौजूद हैं। डेली जीके हिंदी ऐप के जरिए विश्वभर में होने वाले घटनाक्रमों की पूरी जानाकरी मिल जाती है। एस ऐप में आप क्विज भी खेल सकते हैं। किसी विषय में कितनी जानकारी है इस ऐप की मदद से आप यह भी जान सकते हैं।

ऑनलाइन तैयारी जीके एग्जाम ऐप

कम्पीटीटिव एग्जाम को पास करने के लिए ऑनलाइन तैयारी जीके एग्जाम ऐप में सामान्य ज्ञान, समसामयिकी और अंग्रेजी की शानदार जानकारी दी गई है। इस ऐप पर जो भी जानकारी मौजूद है वह एसएससी, आईबीपीएस व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के हिसाब से बेहद कारगर साबित हो रही है। ऑनलाइन तैयारी जीके एग्जाम ऐप की सबसे खास बात यह है कि इसमें कई मॉक टेस्ट सीरीज दी गई हैं। इन टेस्ट सीरीज की मदद से छात्र खुद प्रतियोगी परीक्षा का अभ्यास घर बैठे ही कर सकते हैं।

जीके फॉर आईएएस एसएससी एंड आईबीपीएस एग्जाम

जीके फॉर आईएएस एसएससी एंड आईबीपीएस एग्जाम ऐप के जरिए इच्छुक छात्र संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं की तैयारी भी शुरू कर सकते हैं। इस ऐप में मॉक टेस्ट, क्वेश्चन बैंक और डेली न्यूज का विकल्प दिया गया है। किस राज्य में क्या चल रहा है उससे जुड़ी हर छोटी-बड़ी जानकारी इस ऐप पर होती है। इस ऐप के जरिए आप ऑनलाइन भी दोस्तों से सवाल जवाब कर सकते हैं। इस ऐप में हर रोज खबरों को अपडेट किया जाता है जिससे आप वर्तमान में चल रही सभी घटनाओं पर नजर रख सकते हैं।

कोर्स ऐसे जो रोज़गार दिलाएं

रेगुलर कॉलेजों में पढ़ाई के साथ-साथ रोज़गारपरक स्किल सिखाने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के एडल्ट एजुकेशन डिपार्टमेंट ने अपने यहां तरह-तरह के शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू किए हैं। इनमें कोई समाज कार्य से जुड़ा है तो कोई स्वास्थ्य और खेल के क्रियाकलापों से। कोई शैक्षिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण कड़ी साबित होने की ट्रेनिंग देता है तो कोई समाज में भूले-भटके और दिशाहीन लोगों को राह दिखाने की। तीन माह की अवधि वाले ये सर्टिफिकेट कोर्स थ्योरी और प्रैक्टिकल, दोनों से लैस हैं। इनमें दाखिले की प्रक्रिया जारी है।

वोलंटियर मैनेजमेंट

यह कोर्स सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर भाग लेने वाले वोलंटियर्स को तैयार करता है। आज देश से लेकर विदेश तक तरह-तरह की संस्थाएं चल रही हैं। उन्हें अपने कार्यों को सही तरीके से अंजाम देने के लिए फील्ड में काफी संख्या में वोलंटियर्स की ज़रूरत पड़ती है। इसके लिए उन्हें ऐसे युवाओं की आवश्यकता होती है, जो इस कार्य में दक्ष हों। वोलंटियर मैनेजमेंट ऐसे ही छात्रों को तैयार करता है। वोलंटियर क्या है। उसका रोल क्या है। अपने कार्यों को किस ढंग से अंजाम तक पहुंचाना है, ये चीज़ें इस कोर्स में बताई जाती हैं।

स्पोर्ट्स एंड मेडिसिन

यह कोर्स स्पोर्ट्स मेडिसिन के बारे में छात्रों को जागरूक करता है। खेलकूद के दौरान फिज़ियोथेरेपिस्ट के साथ कैसे मददगार बनें, इसकी ट्रेनिंग इस कोर्स के तहत दी जाती है। विभाग के शिक्षक डॉ. राजेश ने बताया कि पैरामेडिकल वर्कर के रूप में काम करने के लिए यह कोर्स युवाओं को तैयार करता है। इसमें छात्र डॉक्टर नहीं, बल्कि उसके हेल्पर के रूप में काम करते हैं। चाहे वह कॉमनवेल्थ गेम हो या कोई और नेशनल गेम, ऐसे वर्करों की सदा ज़रूरत पड़ती है।

काउंसलिंग एंड गाइडेंस

यह कोर्स छात्रों को करियर की राह में मार्गदर्शक बनने की ट्रेनिंग देता है। शिक्षा का क्षेत्र हो या खेलकूद, मनोविज्ञान का मामला हो या वोकेशनल ट्रेनिंग का, आज हर जगह काउंसलिंग की ज़रूरत पड़ रही है। इसमें छात्रों को एक दक्ष परामर्शदाता बनने का हुनर सिखाया जाता है। यूजीसी ने 11वें प्लान में विभिन्न शिक्षण संस्थानों में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर खोलने की योजना तैयार की है। इस तरह के सेंटर पर काउंसिलिंग के लिए ऐसे युवाओं की ज़रूरत रहेगी।

स्पोर्ट्स एंड साइंस जर्नलिज़्म

यह कोर्स पत्रकारिता के अंतर्गत स्पेशलाइज्ड यानी किसी विशेष क्षेत्र में जाने की आधारभूत ट्रेनिंग देता है। छात्रों को इस क्षेत्र में कैसे काम करना है, कैसे अपनी पहचान बनानी है और इसके लिए क्या-क्या तरकीबें अपनानी हैं, इसकी जानकारी प्रदान करता है।

बेहतर करियर विकल्प के रूप में विकसित हो रहा है पैराग्लाइडिंग

आसमां में उड़ने की चाहत ने पैराग्लाइडिंग का दायरा काफी बढ़ा दिया है। पिछले कुछ समय से युवाओं में पैराग्लाइडिंग को लेकर गजब का क्रेज देखा जा रहा है। बात चाहे समर वेकेशन की हो या फिर किसी अन्य मौके पर दो-तीन दिनों की छुट्टियों की, युवाओं की पहली पसंद होती है पैराग्लाइडिंग करना। इन्हें जब भी मौका मिलता है, आसमां की सैर करने के लिए निकल पड़ते हैं। युवाओं की इसी पसंद ने इस क्षेत्र को एक बेहतर करियर विकल्प के रूप में विकसित कर दिया है।

खुले आसमां में पंछियों की तरह उड़ना किसे अच्छा नहीं लगता। सभी की चाहत होती है कि काश वे भी पंछियों की तरह आसमां की सैर कर सकें। वायुयान ने आसमां में उड़ने की सुविधा तो मुहैया कराई, लेकिन इसमें वह मजा कहां, जो अपने पंखों पर बगैर किसी रोक-टोक के उड़ने में है। आसमां में उड़ने की लोगों की इसी चाहत ने पैराशूट को जन्म दिया। पैराशूट में आप अपने मनमुताबिक आसमां की सैर कर सकते हैं, धरती से हजारों फुट ऊपर से धरती को निहार सकते हैं और बादलों के साथ काफी करीब से आसमां को अनुभव कर सकते हैं। पैराशूट के सहारे आसमां और बादलों की सैर करना ही पैराग्लाइडिंग है। आसमां में उड़ने की चाहत ने पैराग्लाइडिंग का दायरा काफी बढ़ा दिया है। पिछले कुछ समय से युवाओं में पैराग्लाइडिंग को लेकर गजब का क्रेज देखा जा रहा है। बात चाहे समर वेकेशन की हो या फिर किसी अन्य मौके पर दो-तीन दिनों की छुट्टियों की, युवाओं की पहली पसंद होती है पैराग्लाइडिंग करना। इन्हें जब भी मौका मिलता है, आसमां की सैर करने के लिए निकल पड़ते हैं। युवाओं की इसी पसंद ने इस क्षेत्र को एक बेहतर करियर विकल्प के रूप में विकसित कर दिया है।

पैराग्लाइडिंग के लिए जरूरी है इंस्ट्रक्टर

पैराग्लाइडिंग एक ऐसा एडवेंचरस गेम है, जिसे बगैर ट्रेनिंग और गाइडेंस के नहीं किया जा सकता। पैराग्लाइडिंग करने के लिए सही ट्रेनिंग और गाइडेंस की अत्यधिक जरूरत पड़ती है। युवाओं को पैराग्लाइडिंग की ट्रेनिंग और उसके गूढ़ रहस्यों के बारे में बताने का काम करते हैं पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर। आज के समय में जिस तेज रफ्तार से युवाओं में पैराग्लाइडिंग का क्रेज बढ़ता जा रहा है, उस अनुपात में कुशल इंस्ट्रक्टरों की काफी कमी है। अत- युवाओं के करियर के लिहाज से भी यह क्षेत्र काफी उज्ज्वल संभावनाओं से भरा है।

कैसे हासिल करें मुकाम

पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर बनने के लिए देशभर में कई संस्थान पाठयक्रम संचालित कर रहे हैं। 10वीं या 12वीं के बाद वहां से कोर्स और उचित ट्रेनिंग लेकर आप इंस्ट्रक्टर बन सकते हैं, पर कोर्स और ट्रेनिंग के साथ-साथ पैराग्लाइडिंग का नियमित अभ्यास बेहद जरूरी है। जब तक आप खुद एक कुशल पैराग्लाइडर नहीं बन जाते, तब तक किसी और को प्रशिक्षित करना बेहद मुश्किल है।

क्या करते हैं इंस्ट्रक्टर

इंस्ट्रक्टर का मुख्य काम नए पैराग्लाइडर को इंस्ट्रक्शन देना होता है। पैराग्लाइडिंग से संबंधित बारीकियों के बारे में बताना और उनके बारे में सही ट्रेनिंग देकर किसी भी आम इंसान को आसमां में उड़म्ने के लिए तैयार करने का काम पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर ही करते हैं। ग्राउंड लेवल ट्रेनिंग से लेकर 100 फुट से 1000 फुट की ऊंचाई में उड़म्ने का अभ्यास कराना और निडर होकर आकाश में उड़म्ने के काबिल बनाना एक कुशल इंस्ट्रक्टर के अलावा कोई अन्य कर ही नहीं सकता।

स्किल्स

एडवेंचर करने की चाहत साहसी और निडर मेंटली और फिजिकली फिट मौसम और पर्यावरण की समझ लोगों को गाइड करने की क्षमता विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य और समझ से काम लेने की शक्ति आदि।

वेतन

शुरुआती दिनों में पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर को 15 से 20 हजार रुपए प्रतिमाह मिलते हैं, लेकिन अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आमदनी का दायरा बढ़ता ही चला जाता है। अनुभव हासिल करने के बाद आप चाहें तो किसी हिलस्टेशन या टूरिस्ट प्लेस के एरिया में अपना ट्रेनिंग स्कूल भी खोल सकते हैं, जहां पैराग्लाइडिंग प्रेमियों को 3 दिन से 5 दिन की बिगनर्स ट्रेनिंग देकर उन्हें उड़म्ने के काबिल बना सकते हैं। अपना ट्रेनिंग स्कूल खोलने पर अपने मनमुताबिक काम कर सकते हैं और सीखने वालों की संख्या बढ़ने पर लाखों रुपये प्रतिमाह तक कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीटयूट ऑफ पैराग्लाइडिंग एंड पैरामोटरिंग, पुणे
- निर्वाण एडवेंचर्स एयरप्ले पैराग्लाइडिंग स्कूल,
- पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया, गोवा
- इंडस पैराग्लाइडिंग स्कूल, कमशेट, मुंबई
- अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीटयूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड पैराग्लाइडिंग

रंजी ट्रॉफी

अर्जुन तेंदुलकर नहीं गोवा के लिए पहली पारी में इन बॉलर्स ने लिए ज्यादा विकेट

पंजाब ने पहली पारी में बनाए 325 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2025 में गोवा के खिलाफ पंजाब की टीम ने पहली पारी में 325 रन बनाए, लेकिन गोवा के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर अर्जुन तेंदुलकर नहीं रहे। पंजाब ने इस मैच में टॉस जीता था और पहले बैटिंग करने का फैसला किया था और इसके बाद उदय सहारन की कप्तानी पारी के दम पर टीम का स्कोर 300 के पार पहुंचा।

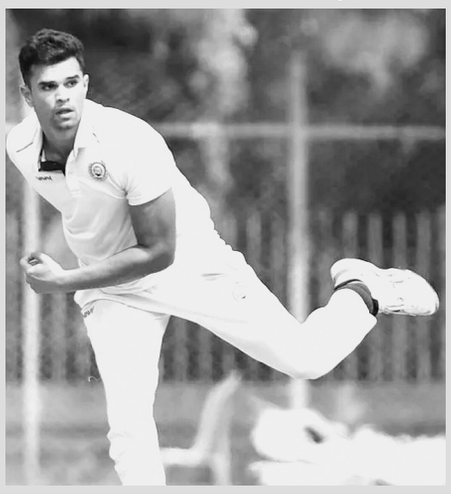

अर्जुन तेंदुलकर को मिला एक विकेट- पहली पारी में गोवा के लिए अर्जुन तेंदुलकर ने 27 ओवर गेंदबाजी की और इस दौरान उन्होंने 81 रन देकर एक विकेट लिया। अर्जुन ने इन 27 ओवर में 5 ओवर मेडन भी फेंके। गोवा के लिए पहली पारी में पंजाब के खिलाफ दर्शन मिसाल और धीरज गांवकर ने सबसे ज्यादा 3-3 विकेट हासिल किए जबकि मोहित को भी एक सफलता मिली जबकि ललित यादव ही एकमात्र ऐसे बॉलर रहे जिन्हें पहली पारी में कोई सफलता नहीं मिली।

पंजाब के कप्तान ने खेली शतकीय पारी- गोवा के खिलाफ पंजाब के कप्तान उदय सहारन ने कप्तानी पारी खेलते हुए अपनी टीम के लिए अहम 126 रन बनाए और वो दर्शन मिसाल की गेंद पर आउट हुए। उदय ने इस दौरान 306 गेंदों का सामना किया और कुल 11 चौके उनके बल्ले से निकले। टीम के विकेटकीपर सलिल अरोड़ा ने भी अहम पारी खेली और 7वें नंबर पर बैटिंग करते हुए 63 रन 180 गेंदों का सामना करते हुए 9 चौकों के साथ बनाए। पंजाब के लिए प्रेरित दत्त ने निचले क्रम पर 29 रन जबकि मयंस मार्कंडे ने भी 25 रन का योगदान दिया।

इंडिया-ए वर्सेस साउथ अफ्रीका-ए

ऋषभ पंत शतक से चूके

11 चौके और 4 छक्के ठोक उड़ाए साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों के परखच्चे

नई दिल्ली, एजेंसी। ऋषभ पंत ने चोट के कारण तीन महीने बाद मैदान पर शानदार वापसी की है। उन्होंने रविवार (2 नवंबर) को बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ अनऑफिशियल टेस्ट के चौथे दिन इंडिया ए की दूसरी पारी में शतक से चूक गए। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंडिया ए के कप्तान पंत 64 रन के स्कोर पर नाबाद थे। चौथे दिन शतक की ओर बढ़ते हुए 113 गेंदों

पर 90 रन बनाकर आउट हो गए। पंत ने 11 चौके और चार छक्के लगाकर साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों के परखच्चे उड़ा दिए। टियान वैन वुरेन ने उनका विकेट लिया। इंडिया ए को 275 रन का लक्ष्य मिला है।

इंग्लैंड में पंत के पैर में चोट लग गई थी- इंग्लैंड में तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के दौरान पंत के पैर में चोट लग गई थी। जुलाई के आखिर में चौथे टेस्ट में रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश में पेसर क्रिस वोक्स की गेंद उनके पैर पर लगी थी। चोट इतनी गंभीर थी कि उन्हें मैदान से बाहर एंबुलेंस से ले जाना पड़ा था। वह विकेटकीपिंग भी नहीं कर पाए। हालांकि, वह बल्लेबाजी के लौटे थे और जरूरत पड़ने पर दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी के लिए आने को तैयार थे।

20 साल बाद थमा एक युग!

● स्टार भारतीय एथलीट रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस को अलविदा

● हुए भावुक भारत के टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना ने शनिवार को पेशेवर खेल से संन्यास की घोषणा कर दी। इसी के साथ उनके दो दशक से भी ज्यादा लंबे करियर का अंत हो गया है। रोहन बोपन्ना ने इंस्टाग्राम स्टोर पर संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, 'अलविदा... पर अंत नहीं। आप किसी ऐसी चीज को कैसे अलविदा कहेंगे, जिसने आपके जीवन को एक अर्थ दिया? हालांकि, टूर पर 20 अविस्मरणीय वर्षों के बाद, अब समय आ गया है। मैं आधिकारिक तौर पर अपना संन्यास ले रहा हूं।' उन्होंने लिखा, 'जब मैं यह लिख रहा हूं, मेरा दिल एक साथ भारी भी है और आभारी भी। मैंने भारत के कूर्ग जैसे छोटे से शहर से अपनी यात्रा शुरू की। मैंने सर्व को मजबूत करने के लिए लकड़ी के लट्ठे काटे, स्टैमिना बढ़ाने के लिए कॉफी के बागानों में दौड़ा। आज दुनिया के सबसे बड़े एरीना की रोशनी में खड़ा होना किसी सपने जैसा लगता है।'

स्टार खिलाड़ी ने लिखा, 'टेनिस मेरे लिए सिर्फ एक खेल नहीं रहा। इसने मुझे दिशा दी जब मैं भटका हुआ था, हिम्मत दी जब मैं टूटा था, और विश्वास दिलाया जब दुनिया ने मुझ पर शक किया। हर बार जब मैं कोर्ट पर उतरा, इस खेल ने मुझे धैर्य सिखाया, गिरकर दोबारा उठने की ताकत दी और तब लड़ना सिखाया जब अंदर से हार मान लेने का मन हुआ। सबसे बढ़कर, इसने मुझे हमेशा याद दिलाया मैंने क्यों शुरुआत की थी और मैं कौन हूं।' यूएस ओपन के फाइनल के अलावा, बोपन्ना तीन और ग्रैंड स्लैम के फाइनल में भी पहुंचे। उन्होंने 2012 और 2015 में महेश भूपति और फ्लोरिन मर्जिया के साथ साल के अंत में हुए एटीपी फाइनल्स के फाइनल मुकाबले में भी हिस्सा लिया था। साल 2017 में फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल जीतने वाले 45 वर्षीय बोपन्ना ने कई डेविस कप मुकाबलों और ओलंपिक खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया। 43 वर्ष की आयु में उन्होंने विश्व नंबर 1 रैंकिंग हासिल की। पुरुष युगल के अलावा, बोपन्ना ने 2017 में फ्रेंच ओपन में मिश्रित युगल भी जीता। रोहन बोपन्ना आखिरी बार पेरिस मास्टर्स 1000 में खेले थे, जहां उन्होंने एलेक्जेंडर बुब्लिक के साथ मिलकर खेला था।

विलियमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा की

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा की है। हालांकि, वे वनडे और टेस्ट में टीम के लिए योगदान देंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि विलियमसन दिसंबर में होने वाली तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखला में नहीं खेलेंगे। 2011 में टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण करने वाले विलियमसन ने 75 मौकों पर न्यूजीलैंड की कप्तानी की और टीम को दो आईसीसी टी20 विश्व कप सेमीफाइनल (2016 और 2022) और एक फाइनल (2021) तक पहुंचाया। 35 वर्षीय विलियमसन 33 की औसत से 2575 रन बनाकर न्यूजीलैंड के दूसरे सबसे अधिक पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनके नाम 18 अर्धशतक और 95 का सर्वोच्च स्कोर शामिल है। विलियमसन ने एक बयान में कहा, 'यह कुछ ऐसा है जिसका हिस्सा बनना मुझे लंबे समय से पसंद है और मैं इन यादों और अनुभवों के लिए बहुत आभारी हूं। यह मेरे और टीम के लिए सही समय है। इससे टीम को सीरीज के आगे बढ़ने और अपने अगले प्रमुख लक्ष्य, टी20 विश्व कप, के लिए स्पष्टता मिलती है। वहां बहुत सारी टी20 प्रतिभाएं हैं और अगला दौर इन खिलाड़ियों को क्रिकेट सिखाने और उन्हें विश्व कप के लिए तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण होगा।' उन्होंने कहा कि मिचेल एक शानदार कप्तान और उनके नेतृत्व में टीम अपनी क्षमता साबित कर चुकी है। अब इस प्रारूप में ब्लैक कैप्स को आगे बढ़ाने का समय आ गया है और मैं दूर से उनका समर्थन करूंगा। न्यूजीलैंड के सर्वकालिक सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी विलियमसन ने कहा कि वह अपने वनडे और टेस्ट भविष्य को लेकर खुले विचारों वाले हैं और उनका पूरा ध्यान वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारी पर है, जो 2 दिसंबर से क्राइस्टचर्च में शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि मुझे इस टीम की बहुत परवाह है। ब्लैककैप्स एक खास जगह है और आप इसके लिए खुद को पूरी तरह समर्पित करना चाहते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के सीईओ स्कॉट वेनिंक ने कहा कि वह विलियमसन के फैसले का सम्मान करते हैं और टी20 टीम में उनके योगदान की सराहना करते हैं। एक खिलाड़ी के रूप में केन का प्रदर्शन और टी20 टीम के कप्तान के रूप में उनकी सेवा अभूतपूर्व रही है। टी20 विश्व कप फाइनल में उनकी 85 रनों की पारी, न्यूजीलैंड के किसी भी खिलाड़ी द्वारा खेली गई सबसे खास टी20 पारियों में से एक थी। वेनिंक ने कहा कि केन की देखरेख में टी20 टीम ने बेहतरीन निरंतरता और सफलता का अनुभव किया है और वह निश्चित रूप से टीम को अच्छी स्थिति में छोड़कर जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमने केन को स्पष्ट कर दिया है कि अपने शानदार करियर के अंतिम चरण में पहुंचने पर उन्हें हमारा पूरा समर्थन मिलेगा। वह टी20 फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे।

स्टार फुटबालर के भारत दौरे को लेकर बड़ी खबर

केरल की जगह हैदराबाद का दौरा करेंगे मेसी

कोलकाता, एजेंसी। इस दौरे के आयोजक सताद्रू दत्ता ने कहा, 'अब वह दक्षिण भारत भी जायेंगे । दक्षिण भारत के लाखों फुटबॉलप्रेमियों को यह तोहफा होगा। इसके साथ ही भारत के हर कोने को इसमे शामिल किया गया है।' अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी 'जीओएटी भारत दौरे 2025' पर हैदराबाद भी जायेंगे जिसे केरल में अर्जेंटीना टीम का प्रस्तावित दोस्ताना मैच रद्द होने के बाद कार्यक्रम में शामिल किया गया है । अर्जेंटीना टीम का कोच्चि में प्रस्तावित दोस्ताना मैच रद्द हो गया है । केरल के खेलमंत्री वी अब्दुरहमान ने पहले कहा था कि यह मैच 17 नवंबर को होगा । नये कार्यक्रम के तहत अब मेसी देश के चारों कोनों पूर्व (कोलकाता), दक्षिण (हैदराबाद), पश्चिम (मुंबई) और उत्तर (दिल्ली) जाएंगे। इस दौरे के आयोजक सताद्रू दत्ता ने कहा, 'अब वह दक्षिण भारत भी जायेंगे । दक्षिण भारत के लाखों फुटबॉलप्रेमियों को यह तोहफा होगा।

इसके साथ ही भारत के हर कोने को इसमे शामिल किया गया है। मैं चाहता हूं कि पूरा भारत इसका हिस्सा हो । केरल का मैच रद्द होने के कारण दक्षिण भारत के लोगों को मेसी को देखने के मौके से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'दक्षिण भारत के लोग हैदराबाद जाकर उन्हें देख सकते हैं। हैदराबाद के कार्यक्रम की बुकिंग एक सप्ताह के भीतर शुरू होगी। यह कार्यक्रम गाचिबोली या राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा।' संशोधित कार्यक्रम के बारे में दत्ता ने कहा कि अहमदाबाद चरण की जगह हैदराबाद ने ली है। अहमदाबाद में होने वाला प्रायोजकों का कार्यक्रम अब मुंबई में होगा। उन्होंने कहा, 'मेसी 12 दिसंबर की मध्यरात्रि या 13 दिसंबर को तड़के पहुंचेंगे। वह मियामी से दुबई आकर एक या दो दिन आराम करेंगे जिसके बाद निजी जेट से कोलकाता आयेंगे।' इससे पहले वह 2011 में वेनेजुएला के खिलाफ एक मैत्री मैच के लिये भारत आये थे। इस बार उनके साथ उनके साथी खिलाड़ी लुईस सुआरेज और रौड्रिगो डि पॉल भी आ रहे हैं। मेसी 13 दिसंबर को कोलकाता से हैदराबाद जायेंगे और 14 दिसंबर को मुंबई पहुंचेंगे। वह 15 दिसंबर को दिल्ली जायेंगे जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे।

दो दशक का सफर पूरा

गोलकीपर अरिंदम भट्टाचार्य ने कहा फुटबॉल को अलविदा

नई दिल्ली, एजेंसी। अनुभवी भारतीय गोलकीपर अरिंदम भट्टाचार्य ने शनिवार को पेशेवर फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की, जिससे आई-लीग, आईएसएल और राष्ट्रीय टीम में लगभग दो दशकों तक चले उनके शानदार करियर का अंत हो गया। 35 वर्षीय अरिंदम ने एक भावुक पोस्ट में अपने सफर को याद करते हुए लिखा कि, 'यह सब उनके बचपन के उस सपने से शुरू हुआ था। मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के लिए खेलना और बाइचुंग भूटिया का सामना करना।'

'सभी को दिल से धन्यवाद'- अपने कोचों, टीम साथियों, प्रशंसकों और परिवार का धन्यवाद करते हुए अरिंदम ने कहा कि उनका शरीर अब उन्हें बता रहा था कि रुकने का समय आ गया है लेकिन मेरा दिल हमेशा उन गोलपोस्ट के अंदर ही रहेगा। उन्होंने लिखा, 'दो दशक बाद मैं उन ट्रॉफियों, संघर्षों और जख्मों को देखता हूं जो सब कुछ बयां कर देते हैं। लेकिन सबसे बढ़कर मैं उन यादों, सीखों, दोस्ती और आभार को देखता हूं जो हमेशा मेरे साथ रहेंगे।'

कैसा रहा करियर?

टाटा फुटबॉल अकादमी से प्रशिक्षित अरिंदम ने अपने सीनियर करियर की शुरुआत चर्चिल ब्रदर्स से की थी और मात्र 19 वर्ष की उम्र में ही आई-लीग खिताब जीत लिया था। इसके बाद उन्होंने पुणे सिटी एफसी, बेंगलुरु एफसी, मुंबई सिटी और मोहन बागान के लिए भी खेला। उन्होंने 2019-20 सीजन में आईएसएल खिताब जीता और अगले सत्र में 'गोल्डन ग्लव' पुरस्कार प्राप्त किया। साल 2021 में उन्होंने ईस्ट बंगाल की कप्तानी की, जो उनके परिवार का भी एक सपना था। अरिंदम ने भारत के लिए पांच अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और राष्ट्रीय टीम के कई शिविरों का हिस्सा रहे। सुब्रतो कप में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन ने भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया।

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान, ईश सोढ़ी की हुई वापसी

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। केन विलियमसन के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा

की है। चयनकर्ताओं ने ज्यादा बदलाव नहीं किए हैं, लेकिन दो बड़े खिलाड़ियों- काइल जैमीसन और ईश सोढ़ी की टीम में वापसी हुई है। 35 वर्षीय विलियमसन ने हाल ही में टी20 फॉर्मेट को अलविदा कहा था, ताकि वे वनडे और टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित कर सकें। उनकी जगह अब टीम का नेतृत्व मिचेल सैंटनर करेंगे। न्यूजीलैंड की 14 सदस्यीय टीम में नेथन स्मिथ को भी शामिल किया गया है, जिन्हें अभी टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करना है। मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, 'काइल जैमीसन पूरी तरह फिट हैं और नेट्स में अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। वहीं, ईश सोढ़ी हमारे सबसे अनुभवी टी20 खिलाड़ी हैं और उनकी वापसी टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।' तेज गेंदबाज मैट हेनरी को सीरीज से आराम दिया गया है। हेनरी ने जिम्बाब्वे दौरे से अब तक हर मैच खेला है और अब उन्हें रिकवरी का मौका दिया गया है।

न्यूजीलैंड की टी20 टीम

मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवॉन कॉनवे, जैक फॉल्क्स, काइल जैमीसन, डैरिल मिचेल, जिमी नीशम, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, टिम रॉबिन्सन, जैकब डफी, नेथन स्मिथ, ईश सोढ़ी।

सीरीज की शुरुआत 5 नवंबर को ऑकलैंड के ईडन पार्क में होगी।

टिम डेविड ने मारा इंटरनेशनल क्रिकेट इतिहास का सबसे लंबा छक्का

100-120 मीटर नहीं इतनी...129 मीटर तय की दूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होबार्ट में खेले जा रहे तीसरे टी20 मैच में टिम डेविड ने अपनी हिटिंग से दिल जीत लिया. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने सिर्फ 23 गेंदों में अर्धशतक लगाया. गजब की बात ये है कि टिम डेविड ने इंटरनेशनल क्रिकेट का सबसे लंबा छक्का भी लगाया. टिम डेविड ने ये छक्का अक्षर पटेल के ओवर में लगाया. आपको ये जानकर हैरानी होगी कि टिम डेविड ने 110, 120 मीटर नहीं बल्कि 129 मीटर का छक्का जड़ा जो कि इंटरनेशनल क्रिकेट इतिहास का सबसे लंबा छक्का है. मेलबर्न टी20 में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने 124 मीटर का छक्का लगाया था लेकिन अब टिम डेविड उनसे भी आगे निकल गए हैं.

टिम डेविड का रिकॉर्डतोड़ छक्का

ऑस्ट्रेलियाई पारी के 7वें ओवर में टिम डेविड के सामने अक्षर पटेल आए. अक्षर पटेल ने टिम डेविड को फुल लेंग्थ गेंद फेंकी जिसे टिम डेविड ने गेंदबाज के सिर के ऊपर से दे मारा. गेंद होबार्ट स्टेडियम की छत पर गई और इस छक्के की दूरी 129 मीटर मापी गई. बता दें टिम डेविड ने अक्षर पटेल के ओवर में दो छक्के लगाए.

टिम डेविड का तूफानी अर्धशतक- टिम डेविड यहीं नहीं रुके. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अगले ओवर में शिवम दुबे की गेंदों की धुनाई कर दी. शिवम दुबे के ओवर में उन्होंने तीन चौके लगाए और ये खिलाड़ी महज 23 गेंदों में अर्धशतक तक पहुंच गए. हालांकि टिम डेविड को शिवम दुबे ने ही आउट किया. डेविड ने 38 गेंदों में 74 रन बनाए.

टिम डेविड का कमाल रिकॉर्ड

टिम डेविड ने अपनी इस पारी के दौरान एक खास रिकॉर्ड भी अपने नाम किया. इस खिलाड़ी ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 100 छक्के पूरे किए. वो सबसे कम 931 गेंदों में 100 छक्के पूरे करने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बने. पूरी दुनिया में वो एविन लुईस के बाद दूसरे नंबर पर हैं, जिन्होंने 789 गेंदों में 100 टी20 छक्के लगाए थे.

न्यूज डायरी

केरल समाजम ने भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ मनाया 69वां केरल राज्य स्थापना दिवस (पिरवी दिवस)

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। केरल समाजम, चंडीगढ़ ने रविवार को सेक्टर-30 स्थित माखन शाह लुबाना भवन में बड़े उत्साह और भव्यता के साथ 69वां केरल स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर पारंपरिक नृत्य, लोकगीत, केरल के प्रसिद्ध व्यंजन और एकता के संदेश ने समारोह को यादगार बना दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि मेयर हरप्रीत कौर बबला द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। अपने संबोधन में उन्होंने समाजम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि केरल समाजम ने न केवल केरल की परंपराओं और मूल्यों को संजोए रखा है, बल्कि चंडीगढ़ में सांस्कृतिक सद्भाव का एक उत्कृष्ट उदाहरण भी प्रस्तुत किया है। ऐसे आयोजन भारत की विविधता को एकता के सुंदर सूत्र में पिरोते हैं।

समाजम के अध्यक्ष सुरेश के. नायर, अध्यक्ष, केरल समाजम ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि केरल की समृद्ध परंपराओं को संरक्षित रखना और मलयाली समुदाय के साथ-साथ स्थानीय समाज में भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना समाजम का उद्देश्य है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में मोहिनीयट्टम, तिरुवातिरा कली और मर्गम कली जैसी पारंपरिक नृत्य शैलियों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था भव्य "केरल साद्या" भोज, जो पारंपरिक केले के पत्तों पर परोसा गया। इसमें 22 से अधिक पारंपरिक व्यंजन जैसे परिप्पू, सांभर, अवियल, कालान, ओलन, पायसम और पलाडा प्रदमान शामिल थे जिन्हें विशेष रूप से केरल से आए शेफ्स ने तैयार किया था।

सेक्टर-16 GMCH में लिफ्ट बंद, रैंप सुविधाओं का अभाव— मरीज़ों की जान पर बन आई!

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सरकारी मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, सेक्टर-16, चंडीगढ़ में गंभीर लापरवाही सामने आई है, जिसके चलते अस्पताल आने वाले सैकड़ों मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। समस्या समाधान एंड वेलफेयर एसोसिएशन की टीम सदस्य दिनेश दिलेरे और रवि ज्योति ने अस्पताल का निरीक्षण कर पाया कि इमरजेंसी विभाग के सामने स्थित भवन की दोनो पेशेंट लिफ्टें पूरी तरह से बंद पड़ी हैं। इनमें से एक लिफ्ट मेंटेनेंस में है और दूसरी पिछले तीन दिनों से ख़राब है।सबसे चिंताजनक बात यह देखने को मिली कि मरीजों को मजबूरन उस छोटी लिफ्ट का उपयोग करना पड़ रहा है जो डॉक्टरों और स्टाफ के लिए निर्धारित है, जबकि यह लिफ्ट स्ट्रेचर और व्हीलचेयर के लिए बिल्कुल उपयुक्त नहीं है। इससे इमरजेंसी सेवाओं पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है और कई मरीजों को समय पर उचित उपचार उपलब्ध नहीं हो पा रहा।

रैंप सिर्फ दूसरी मंज़िल तक—ऊपर की मंज़िलों तक मरीजों की पहुँच नामुमकिन !

निरीक्षण में यह भी सामने आया कि अस्पताल की इमारत कुल छह मंज़िलों की है, लेकिन रैंप सुविधा केवल दूसरी मंज़िल तक ही उपलब्ध है। इसके कारण बुज़ुर्ग मरीजों, दिव्यांगजनों और स्ट्रेचर/व्हीलचेयर पर निर्भर मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। चार मंज़िलों तक रैंप ना होना अस्पताल की गंभीर लापरवाही और मरीज सुरक्षा मानकों की सीधी अनदेखी दर्शाता है।

एसएसटी ने भेजा उच्च अधिकारियों को पत्र—तुरंत सुधार की मांगः मनोज शुक्ला,जनरल सेक्रेटरी,एसएसटी के जनरल सेक्रेटरी मनोज शुक्ला द्वारा यू.टी. एडमिनिस्ट्रेटर, चीफ सेक्रेटरी, हेल्थ सेक्रेटरी, डायरेक्टर हेल्थ सर्विस सहित शीर्ष अधिकारियों को एक विस्तृत पत्र भेजकर तत्काल कार्यवाही की मांग की गई है।पत्र में निम्न दो मांगे प्रमुख रूप से उठाई गई हैं:

दोनों पेशेंट लिफ्टों की तत्काल मरम्मत कर उन्हें जल्द से जल्द चालू किया जाए।दूसरी मंज़िल से ऊपर की सभी मंज़िलों तक सुरक्षित रैंप सुविधा उपलब्ध कराई जाए, ताकि स्ट्रेचर एवं व्हीलचेयर पर होने वाले मरीजों को सुरक्षित आवाजाही मिल सके।

"मरीजों की सुरक्षा पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं" —दिनेश दिलेरे,उपप्रधान एसएसटी

दिनेश दिलेरे ने बताया कि अस्पताल का यह हाल अत्यंत चिंताजनक है। सरकारी अस्पताल होने के कारण रोज़ाना बड़ी संख्या में मरीज यहां आते हैं, ऐसे में लिफ्ट और रैंप जैसी मूलभूत सुविधाओं का सुचारू होना अत्यंत आवश्यक है। टीम सदस्य अजय गुप्ता का कहना है "हर मरीज का समय पर इलाज उसका अधिकार है। अस्पताल प्रबंधन की यह लापरवाही मरीजों की जान तक जोखिम में डाल सकती है।"

गौड़ीय मठ के संस्थापक माधव गोस्वामी जी महाराज जी का 124वां जन्म महोत्सव मनाया गया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। श्री चैतन्य गौड़ीय मठ, सेक्टर 20 में अखिल भारतीय श्री चैतन्य गौडिया मठ के संस्थापक श्रीमद् भक्ति दायित्व माधव गोस्वामी जी महाराज जी का 124वां जन्म महोत्सव एवं उत्थान एकादशी पर्व स्वामी वामन जी महाराज जी के सानिध्य में बहुत ही हर्षोल्लास विधि-विधान व उमंग के साथ मनाया गया। मठ के प्रवक्ता जयप्रकाश गुप्ता ने बताया कि पिछले एक मास से चल रहे कार्तिक व्रत का भी आज समापन हो गया। महाराज जी के जन्म तिथि के उपलक्ष पर प्रातः काल मंगल आरती के पश्चात प्रभात फेरी हरि नाम संकीर्तन का आयोजन किया गया व 154 शुद्ध देसी घी के दीपकों से आरती की गई। भक्तों ने मठ के संस्थापक के जन्म महोत्सव की खुशी में नृत्य गान और झूम-झूम कर श्री हरि नाम संकीर्तन कर अपनी खुशी व्यक्त की। भक्तों को संबोधित करते हुए स्वामी बामन जी महाराज ने बताया कि आज से लगभग 124 वर्ष पूर्व आविभाजित भारत के बांग्लादेश कंचन पड़ा नामक शहर में निशिकांत शर्मा के घर में पुत्र के रूप में जन्म लिया। इनकी माता जी का नाम शिवलानी देवी था।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने समालखा में आयोजित 78वें निरंकारी संत समागम में की शिरकत

- **निरंकारी मिशन ने जाति,धर्म,भाषा और क्षेत्र के भेद से ऊपर उठकर मानव को दिखाया एकता का मार्ग– मुख्यमंत्री**
- **निरंकारी मिशन समाज सेवा में भी अग्रणी– नायब सिंह सैनी**

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने निरंकारी संत समागम में रविवार को उपस्थित लाखों श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि निरंकारी मिशन ने जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के भेद से ऊपर उठकर मानव को एकता का मार्ग दिखाया है। इस मिशन ने वर्षों से समाज में प्रेम एकता, मानवता और ईश्वर ज्ञान का संदेश फैलाया है। जब भी इस तरह के कार्यक्रमों में श्रद्धालु एक छत के नीचे एक नाम और एक भावना के साथ एकत्रित होते हैं तब यह धरती शांति और करुणा की जीवंत मिसाल बन जाती है।

उन्होंने समालखा में आयोजित 78 वें निरंकारी संत समागम में उपस्थित श्रद्धालुओं को हृदय की गहराइयों से अपनी बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की और कहा कि संत निरंकारी मिशन वर्षों से सेवा भाव का संवाहक रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज के समय में हम अक्सर बाहरी जगत को सुधारने में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि अपने भीतर ही झांकना भूल जाते हैं। यहां आयोजित इस संत समागम में आत्म मंथन करने का जो अवसर मिला है , यह हम सबको निरंकार के और निकट लाता है। आत्ममंथन का अर्थ है कि अपने अंतर्मन में उतरकर यह देखना कि मैं वही कर रहा हूं जो एक अच्छे इंसान को करना चाहिए और हम सबके भीतर करुणा, दया और प्रेम जीवित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निरंकारी मिशन हमें सिखाता है कि ईश्वर हमारे भीतर ही निवास करता है।

निरंकारी मिशन समाज सेवा में भी अग्रणी

मुख्यमंत्री ने कहा कि निरंकारी मिशन केवल आध्यात्मिकता तक ही सीमित नहीं है बल्कि समाज सेवा में भी अग्रणी है। मिशन के द्वारा रक्तदान, वृक्षारोपण अभियान, शिक्षा में सहायता, नशे की रोकथाम और आपदा प्रबंधन के कार्यों में अभूतपूर्व कार्य किया है और यह सिद्ध किया है कि सच्चा सेवक वही है जो दूसरों के लिए जीता है। मिशन ने इस बार आत्ममंथन के साथ पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति और जन कल्याण से जुड़ी कई गतिविधियां भी आरंभ की है, जो की आत्ममंथन का ही विस्तार है क्योंकि जब मानव स्वयं में सुधार लाता है तभी समाज और राष्ट्र का सुधार संभव हो पाता है। बाबा हरदेव सिंह जी, माता सविंदर हरदेव जी, सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के मार्गदर्शन में इस मिशन ने विश्व भर में यह संदेश फैलाया है कि पहले मनुष्य बनो यानी प्रेम, सहयोग और समर्पण को अपने जीवन की मूल भावना बनाएं।

निरंकारी संत समागम में पहुंचने पर मुख्यमंत्री को शॉल भेंट कर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर पानीपत शहरी विधायक प्रमोद विज, समालखा विधायक मनमोहन भड़ाना इत्यादि भी उपस्थित रहे।

एमसीएम के मनोविज्ञान और गणित विभाग ने स्वागत समारोह आयोजित किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग एवं गणित विभाग द्वारा साइकमिनियंस और मैथमेटिक्स क्लब ने औपचारिक स्वागत समारोह का आयोजन किया , जिनमें रचनात्मकता, सहयोग, समर्पण और विद्यार्थियों के शैक्षणिक उत्साह का उत्सव मनाया गया।

साइकमिनियंस — मनोविज्ञान सोसाइटी के स्वागत समारोह की शुरुआत सोसाइटी के उद्देश्यों और उपलब्धियों पर आधारित एक परिचयात्मक वीडियो से हुई। इसके बाद 'क्रिएटिव एक्सप्रेशन के माध्यम से इमोशनल सेल्फ-रेगुलेशन' विषय पर एक अनुभवात्मक कार्यशाला तथा ' उबंटू – आई एम बिकॉज़ वी आर' पर एक प्रस्तुति आयोजित की गई।

यह कार्यशाला कॉलेज की पूर्व छात्रा, मनोवैज्ञानिक और एक्सप्रेसिव आर्ट्स थैरेपिस्ट सुश्री रवतेश कौर द्वारा संचालित की गई। उन्होंने विद्यार्थियों को विश्रांति, शारीरिक गतिशीलता और अभिव्यक्त कला की गतिविधियों के माध्यम से अपनी भावनाओं को रचनात्मक ढंग से समझने और व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया। यह कार्यशाला आत्म-जागरूकता, सहानुभूति और आपसी जुड़ाव के महत्व को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को आत्म-चिंतन और सृजनात्मक वातावरण प्रदान करती रही। बौद्धिकता और नवाचार के एक अन्य उत्सव के रूप में, स्नातकोत्तर गणित विभाग के मैथमेटिक्स क्लब 'इन्फिनिट इनसाइट' ने अपना 'आइस ब्रेकर' सत्र आयोजित किया, जो गणित की सुंदरता, सटीकता और रचनात्मक आयामों को समर्पित था। इस आयोजन के माध्यम से क्लब का औपचारिक शुभारंभ किया गया ।

17वां जनजातीय युवा विनिमय कार्यक्रम का पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में भव्य उद्घाटन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अधीन माई भारत द्वारा, गृह मंत्रालय के सहयोग से तथा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के युवा कल्याण विभाग के आतिथ्य में आयोजित 17वें जनजातीय युवा विनिमय कार्यक्रम का आज पंजाब विश्वविद्यालय परिसर में भव्य उद्घाटन हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री एच. राजेश प्रसाद, आईएएस, मुख्य सचिव, चंडीगढ़ प्रशासन थे, जिन्होंने एक सप्ताह तक चलने वाले इस विशेष आयोजन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सुश्री प्रेरणा पुरी, आईएएस, सचिव (खेल), चंडीगढ़ प्रशासन तथा प्रो. (डा.) रेनू विग, कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

यह बहुआयामी कार्यक्रम 2 से 8 नवम्बर, 2025 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा के वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों से आए 200 जनजातीय युवा तथा सीआरपीएफ, आईटीबीपी और बीएसएफ के 20 एस्कॉर्ट अधिकारी भाग ले रहे हैं।

इस अवधि के दौरान प्रतिभागी युवा चंडीगढ़ के विकास मॉडल, डिजिटलीकरण, प्रशासनिक व्यवस्था, शैक्षणिक संस्थानों, पर्यटन, संस्कृति, कला, खानपान और जीवनशैली के विभिन्न पहलुओं को नजदीक से समझेंगे। साथ ही, वे अपने-अपने राज्यों की संस्कृति, परंपराओं, कला और विकास कार्यों की झलक भी साझा करेंगे।

मुख्य अतिथि श्री एच. राजेश प्रसाद ने अपने उद्घाटन संबोधन में शिक्षा, अनुभव और कौशल विकास के माध्यम से जनजातीय युवाओं के सशक्तिकरण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि – "जनजातीय युवाओं का सशक्तिकरण ही 'विकसित भारत @2047' के लक्ष्य को साकार करने की कुंजी है। शिक्षा और अवसरों के माध्यम से ही युवा राष्ट्र निर्माण की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं।"

उन्होंने माई भारत की सराहना करते हुए कहा कि यह मंच देश के विभिन्न हिस्सों के युवाओं को जोड़ने और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को सशक्त रूप से बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रहा है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री विनय कुमार, जिला युवा अधिकारी, माई भारत, चंडीगढ़ ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया, जबकि श्री परमजीत सिंह, राज्य निदेशक, माई भारत, पंजाब एवं चंडीगढ़ ने सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

अंत में, डा. सुखजिंदर ऋषि, निदेशक, युवा कल्याण विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर श्री सौरभ कुमार अरोड़ा, पीसीएस, निदेशक (खेल), चंडीगढ़ प्रशासन सहित अन्य गणमान्य अधिकारी एवं शिक्षाविद उपस्थित रहे।

यह जनजातीय युवा विनिमय कार्यक्रम वास्तव में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल की भावना कोमूर्त रूप देने वाला आयोजन है, जो देश के विविध क्षेत्रों के युवाओं के बीच परस्पर समझ, एकता और सांस्कृतिक समरसता को सुदृढ़ करता है।

भारत @ 2047 की दृष्टि के साथ शिक्षा महाकुंभ 2025 का नाईपर मोहाली में सफल समापन

शिक्षा आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की नींव: श्री कबिंदर गुप्ता, उपराज्यपाल, लद्दाख

हिन्द जनपथ
मोहाली(ब्यूरो)। शिक्षा महाकुंभ 2025 का तीसरा और अंतिम दिन एनआईपीईआर (नाईपर)), मोहाली में "भारत @ 2047" विषय पर केंद्रित रहा। इस सत्र में शिक्षा के माध्यम से विकसित भारत की परिकल्पना पर विचार-विमर्श हुआ।

दिन की शुरुआत हरियाणा योग आयोग द्वारा आयोजित योग सत्र से हुई। तत्पश्चात श्री कुलवीर शर्मा, उपाध्यक्ष, विद्या भारती उत्तर क्षेत्र और श्री चंदरहास गुप्ता, सचिव, विद्या भारती उत्तर क्षेत्र ने पैनल चर्चा का संचालन किया, जिसमें शिक्षा की भूमिका को राष्ट्र निर्माण और नेतृत्व विकास से जोड़ा गया।

मुख्य अतिथि श्री कबिंदर गुप्ता, माननीय उपराज्यपाल, लद्दाख ने कहा – "शिक्षा आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की नींव है। भारत @ 2047 का स्वरूप आज के विद्यार्थियों की सोच और कर्म से तय होगा।"

श्री दिलाराम चौहान, महासचिव, विद्या भारती (उत्तर क्षेत्र) ने अपने मुख्य वक्तव्य में स्थानीय प्रयासों के माध्यम से राष्ट्रीय दृष्टिकोण को साकार करने की बात कही।

श्री बल किशन, संयुक्त संगठन सचिव, विद्या भारती उत्तर क्षेत्र ने कहा – "शिक्षा महाकुंभ विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और समाज के सहयोग का जीवंत उदाहरण बन चुका है।"

प्रो. दुलाल पांडा, निदेशक, एनआईपीईआर मोहाली ने शिक्षा महाकुंभ के तीन दिवसीय आयोजन के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि भारत @2047 के विज़न के अनुरूप शिक्षा जगत को विज्ञान, नवाचार और सामाजिक प्रासंगिकता के संगम पर खड़ा होना होगा, क्योंकि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य ज्ञान को प्रभाव में बदलना है।

प्रो. पवन कुमार सिंह, निदेशक, आईआईएम तिरुचिरापल्ली ने कहा कि शिक्षा में दक्षता के साथ चरित्र का समन्वय और अनुसंधान के साथ उत्तरदायित्व का भाव आवश्यक है, ताकि उच्च शिक्षा राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले नेतृत्व का निर्माण कर सके।

बीबीएमबी द्वारा फिट इंडिया स्वच्छता फ्रीडम रन 6.0 आयोजित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड (बीबीएमबी) की तरफ से शुक्रवार को फिट इंडिया स्वच्छता फ्रीडम रन 6.0 स्वच्छता से स्वच्छता की ओर की थीम पर आयोजित की गई। इस मौके पर बीबीएमबी चंडीगढ़ के सेक्टर 19 और इंडस्ट्रियल एरिया फेज 1 के कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड के अध्यक्ष मनोज त्रिपाठी बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। प्रोग्राम सेक्टर 19 स्थित बीबीएमबी बोर्ड सचिवालय से शुरू हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि बीबीएमबी अध्यक्ष मनोज त्रिपाठी ने मौजूद कर्मचारियों को स्वच्छता एवं राष्ट्रीय एकता की शपथ ग्रहण करवाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद मौजूद कार्यक्रम में मौजूद कर्मचारियों से अपने आसपास सफाई रखने और देश को स्वच्छ बनाए रखने के लिए आग्रह किया। उन्होंने बोला कि स्वच्छता ने केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अच्छी है बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत लाभदायक है। अध्यक्ष मनोज त्रिपाठी के मुताबिक यदि कर्मचारी स्वस्थ होंगे तो वह संगठन के कार्यों को को अधिक सहयोग कर सकेंगे।

इसके बाद बीबीएमबी के करीब ढाई सौ कर्मचारियों ने दौड़ में भाग लेते हुए सेक्टर 19 बीएमपी बोर्ड सचिवालय से वापस सचिवालय तक पहुंचे। रन के दौरान कर्मचारियों ने सफाई का श्रमदान भी दिया। रन पूरा होने के बाद बोर्ड सचिवालय में कर्मचारियों के लिए रिफ्रेशमेंट का आयोजन किया गया था।

हिमाचल महासभा की मासिक बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हिमाचल महासभा, चण्डीगढ़ की मासिक बैठक महासभा के अध्यक्ष पृथी सिंह प्रजापति की अध्यक्षता में सामुदायिक केंद्र, सेक्टर 45 सी में संपन्न हुई जिसमें कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार विमर्श हुआ तथा सबकी सहमति से उसमें निर्णय लिए गए। महासभा के महासचिव भागीरथ शर्मा व संयुक्त महासचिव रोशन भारद्वाज ने बताया कि सबसे पहले महासभा द्वारा किए गए पिछले महीने की आय-व्यय का ब्योरा दिया गया। महासभा द्वारा 16 नवंबर को रक्तदान शिविर लगाया जा रहा है जिसके लिए सामुदायिक केंद्र सेक्टर 45 सी को निश्चित किया गया है तथा महासभा के साथ सहयोगी टीम विश्वास फाउंडेशन एवं सरकारी कॉलेज एंड हॉस्पिटल सेक्टर 32 चंडीगढ़ के डॉक्टर इसमें अपना सहयोग देंगे। इसके लिए महासभा ने एक अलग समिति बनाई हुई है जो इसका पूरा कार्य संभालेगी। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि हिमाचल महासभा दिसंबर माह में क्रिकेट टूर्नामेंट करवाएगी जिसकी जिम्मेदारी खेल सचिव संजीव शर्मा को दी गई। भवन निर्माण कमेटी के कन्वीनर एवं महासभा के उप प्रधान रमेश साहोड़ ने भी भवन निर्माण के लिए अपना पक्ष रखा तथा इसके लिए 16 नवंबर तक अंतिम निर्णय लिया जाएगा। महासभा द्वारा रिलीफ फंड से गंभीर तौर पर बीमार दो छोटी बच्चियों की सहायता के लिए आवेदन आए हुए हैं उनके लिए दस दस हजार की सहायता का योगदान भी मासिक बैठक में सदस्यों द्वारा पास किया गया। मासिक बैठक में मुख्य सलाहकार एम. एल. राणा तथा सलाहकार एवं व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजीव चड्ढा, संयुक्त महासचिव सुरेंद्र शर्मा, संयुक्त सचिव दीपक शर्मा, आईटी सचिव संजीव शर्मा, आई. टी. सचिव शिशुपाल, पैटर्न सदस्य के .एल. देओल, मनोहर लाल, सम्मानित सदस्य सुरेंद्र वर्मा, एच. एल. चौधरी, नितिन शर्मा, अजय कुमार प्रागपुरी एवं सदस्य चंद्रशेखर नेगी और प्रेम कुमार मौजूद रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला अभियानः सद्भाव का सृजन - प्रदूषण मुक्त भारत हेतु कानूनी जागरूकता

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। सुश्री अपर्णा भारद्वाज, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), पंचकूला ने बताया कि माननीय हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (एचएएलएसए) के निर्देशानुसार, अक्टूबर 2025 माह में 'सद्भाव का सृजनः प्रदूषण मुक्त भारत हेतु कानूनी जागरूकता' शीर्षक से एक विशेष मासिक अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अभियान का उद्देश्य कानूनी और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, पराली जलाने की रोकथाम और स्थायी कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा करना था।

अभियान के तहत, रायपुर रानी, बरवाला, टिक्कर ताल (मोरनी), जनौली और पिंजौर सहित जिले के प्रत्येक ब्लॉक में मोबाइल कानूनी सहायता हेल्प डेस्क स्थापित किए गए, जिनका संचालन पैरा लीगल वालंटियर्स (पीएलवी) द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। इन हेल्प डेस्कों ने किसानों और ग्रामीणों को पर्यावरण कानूनों, प्रदूषण के दुष्प्रभावों और विभिन्न पर्यावरणीय कानूनों के तहत उपलब्ध कानूनी उपायों के बारे में मौके पर ही कानूनी जागरूकता प्रदान की।

पंचकूला के कृषि विभाग के सहयोग से, विभिन्न ब्लॉकों में कई कार्यशालाएँ और प्रदर्शन आयोजित किए गए। विशेषज्ञों ने हैप्पी सीडर और बायो-डीकंपोजर जैसी पर्यावरण-अनुकूल मशीनों के उपयोग का प्रदर्शन किया, जो पराली जलाने को कम करने में मदद करती हैं। इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किए गए जहाँ किसानों ने स्थायी कृषि पद्धतियों के आर्थिक और पारिस्थितिक लाभों को समझने के लिए कानूनी विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों और कृषि अधिकारियों के साथ बातचीत की।

इसके अलावा, वन विभाग के सहयोग से, पंचकूला के प्रत्येक ब्लॉक में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया, जिसके दौरान हरियाली और पर्यावरण संतुलन को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक क्षेत्र में पौधे लगाए गए।

पंचकूला के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) कार्यालय ने भी ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिसमें लोगों को पराली जलाने के कानूनी परिणामों, जन स्वास्थ्य पर इसके हानिकारक प्रभावों और वायु प्रदूषण में इसके योगदान के बारे में जागरूक किया गया।

इसके अलावा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय, पंचकूला ने डीएलएसए पैनल अधिवक्ताओं के सहयोग से, सेक्टर-6, पंचकूला स्थित सिविल अस्पताल में एक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला और चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। शिविर में प्रदूषण के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं पर ध्यान केंद्रित किया गया और निवारक उपायों पर ज़ोर दिया गया।

इस अभियान में शैक्षणिक संस्थानों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ), पंचकूला के निर्देशानुसार, छात्रों को पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण कम करने के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में कार्यशालाएँ और निबंध प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचने के लिए, नगर निगम (एमसी), पंचकूला ने शहर भर के प्रमुख स्थानों पर स्थापित एलईडी स्क्रीन पर अभियान संदेश प्रदर्शित किए। इसके अलावा, आकाशवाणी ने भी इस पहल से संबंधित जागरूकता संदेश प्रसारित किए ताकि अधिक से अधिक लोगों तक पहुँच सुनिश्चित की जा सके।